

सतना

20 फरवरी 2026  
शुक्रवार

# दैनिक मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

संघ प्रमुख भागवत से मिले  
यूपी के दोनों उपमयमंत्रियों

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को अलग-अलग समय पर यहां निरालानगर में स्थित सरस्वती कुंज पहुंचकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत से शिष्टाचार भेंट की। सरसंघचालक ने यहां संघ के प्रचारकों के साथ बैठक भी की। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बुधवार को सरसंघचालक डॉ. भागवत से भेंट की थी।

दरअसल, सरसंघचालक लखनऊ में तीन दिन से प्रवास पर हैं और आज उनके प्रवास का तीसरा व अंतिम दिन है। सरसंघचालक 17 फरवरी को निरालानगर के माधव सभागार में आयोजित कुटुंब मेलन के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसके बाद 18 फरवरी को उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में सरसंघचालक ने शोधाधियों के साथ संवाद किया। वहीं 18 फरवरी की शाम को गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी को डॉ. भागवत ने संबोधित किया था।

राजस्थान में ओले गिरे,  
म.प्र. के 20 जिलों में बारिश  
हरियाणा में बारिश से 7 डीग्री  
तापमान गिरा; उत्तराखंड में बर्फबारी



नई दिल्ली/ भोपाल/जयपुर /लखनऊ, एजेंसी। देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल गया है। मध्य प्रदेश में पिछले 12 घंटों के दौरान भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन समेत 20 से अधिक जिलों में गरज-चमक के साथ बौछरें पड़ीं। जिससे टिटुरन बढ़ गई है।

राजस्थान के 11 जिलों में तेज आंधी-बारिश को लेकर अर्रिज अलर्ट जारी है। एक दिन पहले 11 से ज्यादा जिलों में दिनभर रुक-रुककर बारिश हुई। राजधानी जयपुर के स्क्र अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में पानी भर गया। इससे कई ऑपरेशन टल गए। 4 जिलों में ओले भी गिरे।

हरियाणा के हिसार समेत कई इलाकों में 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और ओले गिरने की चेतावनी दी गई है। राज्य के भिवानी और रेवाड़ी में बुधवार दोपहर को हल्की बूंदाबांदी के साथ ओले गिरे। वहीं उत्तराखंड के देहरादून सहित पांच पहाड़ी जिलों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना है।

## कांग्रेस का दावा- राहुल को गोली मारने की धमकी मिली

खेड़ा ने करणी सेना के कार्यकर्ता का वीडियो शेयर किया; आरोपी कोटा से पकड़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। करणी सेना के एक कार्यकर्ता ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गुरुवार को यह दावा किया। उन्होंने धमकी वाला वीडियो भी सोशल मीडिया X पर शेयर किया है।

पवन खेड़ा ने लिखा कि पूरा RSS-भाजपा तंत्र एक 'गोडसे फैक्ट्री' है। तथाकथित करणी सेना द्वारा राहुल गांधी और '25 सांसदों' के खिलाफ दी गई धमकी कोई अलग-थलग पड़ी घटना नहीं है। यह एक सुनियोजित और कपटपूर्ण साजिश का हिस्सा है। उन्होंने X पर लिखा- कट्टरपंथ ऐसे ही काम करता है। वे पहले एक झूठ बनाते हैं, पॉलिटिकल अर्थारिटी उसे आगे बढ़ाती हैं



और तब तक फैलाती हैं जब तक उनके फॉलोअर्स के मन में नफरत और हिंसा नहीं भर जाती। तब भी गोडसे बनाया गया था। आज फिर एक और गोडसे को तैयार किया जा रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद कोटा पुलिस ने आरोपी राज आमेरा को पकड़ लिया है। भास्कर रिपोर्टर ने राजा आमेरा से बात की। उसने कहा- मुझे वीडियो की जानकारी नहीं है। विपक्ष ने फेक आईडी बनाकर वीडियो बनाया है। मैं सनातन से जुड़ा हुआ हूँ। देश को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहता हूँ।

## दुनिया में भूख से लड़ने के लिए दो लाख टन चावल आपूर्ति करेगा भारत

एफसीआई-डब्ल्यूएफपी में हुआ समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनियाभर में चल रहे मानवीय कार्यों के लिए दो लाख टन टूटे चावल की आपूर्ति करेगा।

भूख से लड़ने के मकसद पांच साल के दौरान यह आपूर्ति की जाएगी। इस संबंध में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के बीच करार पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते



के तहत अर्बि को अ प सी सहमति से बढ़ाया जा सकता है और कीमत भी हर साल आम सहमति से तय की जाएगी। 31 मार्च, 2026 तक के लिए कीमत प्रति क्विंटल 2,800 रुपये तय की गई है। खाद्य और सार्वजनिक

सुप्रीम कोर्ट बोला

## फ्री खाना मिलेगा तो लोग काम क्यों करेंगे

● मुफ्त बिजली-पानी देने से काम करने की आदत ही खत्म हो जाएगी; सरकारें रोजगार दें

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्री बिजली कल्चर (मुफ्त की रेबडियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है।



सीजेआई सूर्यकांत बोले

● आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं? ● अचानक चुनाव के आस-पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा? ● हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या ट्यूटीकरण की नीति नहीं है?

पूरा मामला समझें

सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने 2024 के विद्युत संशोधन नियमों के नियम 23 को चुनौती दी है। इसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो-महीने में लगभग 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देती है, बिना किसी शर्त के यानी उपभोक्ता चाहे कितना भी खर्च करे, पहली 100 यूनिट के लिए बिल नहीं देना होता। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है।

## असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बोले- राहुल भी अपमानित हैं, फिर मेरे अपमान की या कीमत

बोरा 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने गुरुवार को कहा कि मैंने राहुल गांधी से कहा कि मैं पार्टी में अपमानित महसूस कर रहा हूँ। तो उन्होंने कहा कि वह भी अपमानित हैं। फिर मेरे अपमान की क्या कीमत रह जाती है? मैं इतना अपमान सहने की क्षमता नहीं रखता।

बोरा ने न्यूज एजेंसी PTI से कहा कि इस्तीफे के बाद राहुल गांधी ने उन्हें फोन किया था। उसी दौरान राहुल गांधी से ये बातचीत हुई थी। भूपेन बोरा ने सोमवार को



कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। इसके बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने बोरा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बताया कि वे 22 फरवरी को पार्टी की सदस्यता लेंगे।

गौरव गोगोई पर गठबंधन

तोड़ने का आरोप : बोरा ने कहा कि क्या प्रियंका गांधी के असम दौर से पहले 9 तारीख को बैठक हुई थी, जिसमें तय हुआ था कि जल्द गठबंधन बनाया जाए और इसकी जिम्मेदारी उन्हें दी गई थी। प्लान था कि प्रियंका गांधी के पहुंचने पर सभी दल मिलकर गठबंधन की घोषणा करेंगे।

बोरा ने दावा किया कि गौरव गोगोई ने गठबंधन इसलिए तोड़ा क्योंकि गठबंधन सरकार बनने पर वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाते। कई सीनियर नेताओं का भी अपमान हुआ है।

हिलेरी क्लिंटन ने पर्यावरण के खतरों से आगाह किया:

## बोलीं- जलवायु संकट से महिलाएं सर्वाधिक प्रभावित, शरणार्थियों में सबसे बड़ी संख्या इनकी

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्लाइमेट वीक में बुधवार को अमेरिकी पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने इंडिया क्लाइमेट कोलैबोरेटिव (आईसीसी) की सीईओ श्लोका नाथ के साथ चर्चा की। इस दौरान हिलेरी ने जलवायु परिवर्तन और महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया। पहिले उनकी बात, उनकी जुबानी।

मैं आज अपनी बात महिलाओं से शुरू करना चाहती हूँ। अगर हम सच



में समझना चाहते हैं कि जलवायु परिवर्तन क्या कर रहा है, तो हमें उन लोगों की तरफ देखा होगा जिन पर

इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है, और वह हैं दुनियाभर की महिलाएं। जब सूखा पड़ता है, बाढ़ आती है, खेत बर्बाद होते हैं या जब पानी दूर चला जाता है तो सबसे पहले और सबसे ज्यादा प्रभावित महिलाएं होती हैं। उन्हें ही अपने परिवार के लिए पानी लाना होता है, भोजन जुटाना होता है, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल करनी होती है। जलवायु परिवर्तन उनके रोजमर्रा के जीवन को

और कठिन बना रहा है। आज दुनिया में जलवायु आपदाओं के कारण विस्थापित होने वाले लोग जिन्हें हम क्लाइमेट रिफ्यूजी कहते हैं, उनमें बड़ी संख्या महिलाओं की है। वे अपने घर अपनी आजीविका और अपनी सुरक्षा खो देती हैं, लेकिन फिर भी उन्हें परिवार को संभालना होता है। मैंने नेमक के खेतों में काम करने वाली महिलाओं को देखा है। तपती दोपहर में,

जुलसती धूप में बिना किसी विकल्प के काम करती हुईं। तापमान बढ़ रहा है, लेकिन उनका श्रम काम नहीं हो रहा है। जलवायु परिवर्तन उनके शरीर, उनके स्वास्थ्य और उनकी आजीविका पर सीधा असर डाल रहा है। यही जलवायु संकट का मानवीय चेहरा है। इसलिए हम महिलाओं को केवल पीडित के रूप में नहीं देख सकते हैं वे समाधान का हिस्सा हैं। जलवायु संकट इंजाम नहीं करता।

इसलिए कार्रवाई भी अभी होनी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन: एआई की भूमिका होगी प्रभावी : अब मैं तकनीक पर बात करना चाहती हूँ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जलवायु परिवर्तन से लड़ने में एक शक्तिशाली उपकरण बन सकता है। यह नवीकरणीय ऊर्जा ग्रिड को बेहतर बना सकता है, बाढ़ और आपदाओं का सटीक पूर्वानुमान दे सकता है।

एआई समिट में पीएम ने भारत में निवेश का न्योता दिया :

## सही समझ से सही फैसले, एआई के लिए साझा रोडमैप जरूरी: पीएम मोदी

अंबानी ने कहा- साबित करेंगे कि एआई नौकरियां नहीं छीनता

मुंबई, एजेंसी। समिट के प्लेनरी सेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एआई के वास्तविक प्रभाव को समझने के लिए सही समय पर सही फैसले लेना और एक साझा वैश्विक रोडमैप बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत भगवान बुद्ध की भूमि है और बुद्ध ने भी कहा था कि सही समझ से ही सही कर्म उत्पन्न होते हैं।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि एआई का सच्चा प्रभाव तभी सामने आएगा जब देश मिलकर सहयोग की भावना से काम करेंगे। उन्होंने कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए कहा कि दुनिया ने देखा है कि जब देश एक-दूसरे के साथ खड़े होते हैं, तो असंभव भी संभव हो जाता है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण विकास से लेकर स्प्लाई चेन, डेटा साझाकरण और लोगों की जान बचाने तक, महामारी के दौरान



फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों बोले- भारत ने वो किया जो कोई नहीं कर सका

भारत ने वह कर दिखाया है जो दुनिया का कोई दूसरा देश नहीं कर सका। 1.4 अरब लोगों के लिए एक डिजिटल पहचान तैयार की। एक ऐसा प्लैटफॉर्म बनाया जो अब हर महीने 20 अरब ट्रांजैक्शन प्रोसेस करता है। एक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जिसने 500 मिलियन डिजिटल हेल्थ आईडी जारी की हैं। नतीजे आपके सामने हैं। उन्होंने ये भी कहा कि AI, GPU और विप्लव अब सीधे तौर पर जियोपॉलिटिकल और मैक्रो-इकोनॉमिक शब्दों में बदल गए हैं। मुझे कहना होगा कि कभी यह बेहतर के लिए होता है, तो कभी बुरे के लिए। एक साल पहले हमने कुछ और करके दिखाया था।

वैश्विक सहयोग ने ही समाधान प्रदान किया। पीएम मोदी ने इस अनुभव के आधार पर एआई के क्षेत्र में भी अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आवश्यक बताया।

भारत की ताकत बताकर

भारत में सफल एआई मॉडल दुनिया में कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है

प्रधानमंत्री मोदी ने खाद्य पैकेटों पर मौजूद पोषण संबंधी लेबल की तर्ज पर एआई सामग्री के लिए भी प्रामाणिकता वाले लेबल लगाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एआई से डरते हैं, कुछ लोग इसमें भविष्य देखते हैं। भारत एआई में भविष्य देखता है। प्रधानमंत्री ने मेड इन इंडिया और देश की युवा प्रतिभा को वैश्विक मंच पर रेखांकित करते हुए कहा, भारत में सफल होने वाला कोई भी एआई मॉडल दुनिया में कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है।



प्रधानमंत्री ने कहा, भारत सेमीकंडक्टर और चिप मेकिंग से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग तक एक रोजगार दे रहा है। सिक्वोर डाटा सेंटर, मजबूत आईटी बैंकबोन,

अंबानी का बड़ा एलान- 10 लाख करोड़ के निवेश का एलान

एआई इंपैक्ट समिट में भारत के अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी ने भी बड़े एलान किए। उन्होंने कहा कि एआई का सबसे अछा दौर आना अभी बाकी है। उन्होंने कहा, एआई कई क्षेत्रों में नए दौर की शुरुआत कर सकता है। उन्होंने कहा, दुनिया इस बात पर बहस कर रही है कि क्या एआई के कारण ताकत कुछ लोगों के हाथों में सिमट जाएगी। या एआई सभी के लिए मौके और सबके लिए आसान अवसर का माध्यम बनेगा।



एआई से हेल्थकेयर, शिक्षा और रिसर्च सेक्टर में आएगी तेजी, बोले सुनील मित्तल

भारतीय ग्रुप के चेयरमैन सुनील मित्तल ने समिट में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत से हेल्थकेयर, शिक्षा, डीप रिसर्च और मेडिकल साइंस जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेज विकास देखने को मिलेगा। मित्तल ने कहा कि एआई अब कंपनियों के संचालन का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी के लिए एआई ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने, नेटवर्क तैयार करने और नेटवर्क मैनेजमेंट को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आने वाले समय में विभिन्न सेक्टरों में एआई के सहारे नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे और यह तकनीक उद्योगों के काम करने के तरीके में बड़े बदलाव लाने वाली है।



एआई अपनाने में दुनिया का नेतृत्व कर रहा भारत, बोले ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन

ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में अहम भूमिका निभा रहा है और फिलहाल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने के मामले में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ एआई क्रांति में भाग नहीं ले रहा, बल्कि इसे आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 के दौरान एएनआई से बातचीत में ऑल्टमैन ने भारत के डिजिटल विकास को लेकर आशावाद जताया और कहा कि देश के टेक इकोसिस्टम में हो रहा काम अद्भुत है और वैश्विक गति तय कर रहा है। उन्होंने भारत को भविष्य के नवाचार का प्रमुख केंद्र बताते हुए कहा कि एआई के वैश्विक विकास पर भारत का बड़ा प्रभाव पड़ेगा। रोजगार पर एआई के प्रभाव को लेकर उठ रही चिंताओं पर उन्होंने कहा कि तकनीकी बदलाव नौकरी बाजार को जरूर प्रभावित करेंगे, लेकिन इतिहास बताता है कि नई तकनीकें नए और अधिक सार्थक रोजगार के अवसर भी पैदा करती हैं। उन्होंने मानव क्षमता और अनुकूलन की शक्ति पर भरपूर जताया।



डायनेमिक इकोसिस्टम को अफॉर्डेबल, स्केलेबल और सिक्वोर एआई सॉल्यूशंस का नैचुरल हब बनाते हैं। देश की ताकत को रेखांकित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत के पास डायवर्सिटी, डेमोग्राफी के साथ-साथ डेमोक्रेसी भी है। जो एआई मॉडल भारत में सफल होता है, उसे वैश्विक स्तर पर भी

आजमाया जा सकता है। उन्होंने टेक वर्ल्ड के दिग्गजों से भारत में निवेश का आह्वान करते हुए कहा, डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया, डिजिटल टू द वर्ल्ड, डिजिटल टू दी ब्लूमिनिटी।

# सहमति से बने शारीरिक संबंधों को रिश्ता बिगड़ने पर दुष्कर्म बताना गलत: दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि किसी महिला द्वारा शारीरिक संबंध बनाने के लिए दो गई सहमति को बाद में वापस नहीं लिया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि पहले सहमति से संबंध बनाना और फिर रिश्ता टूटने पर उन संबंधों को दण्डनीय अपराध में लाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। ऐसा करना गलत है। हाईकोर्ट ने यह बात एक वकील और उसके रिश्तेदारों को रेप, धोखे से शादी और दूसरे गंभीर आरोपों से बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा।

जस्टिस वर्कर कांता शर्मा ने कहा कि कानून को महिलाओं को असली यौन शोषण, जबरदस्ती और गलत व्यवहार से बचाने के लिए सतर्क रहना चाहिए, साथ ही उसे अपने प्रोसेस के गलत इस्तेमाल से भी बचना चाहिए।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने कहा, क्रिमिनल लॉ को ऐसे रिश्ते से होने वाले बदले, दबाव या निजी बदले का जरिया बनने की इजाजत नहीं दी जा सकती, जो पूरी तरह से टूट चुका हो। इसका मकसद निराशा या उम्मीदों के टूटने पर सजा देना नहीं है, बल्कि ऐसे काम को सजा देना



है, जो असल में आपराधिक है।

कोर्ट ने आगे कहा, जब दो व्यक्ति लोग जान-बूझकर ऐसे रिश्ते में आने का फैसला करते हैं जो उनके धर्म, पर्सनल लॉ या रीति-रिवाजों से अलग हो, तो यह फैसला सोच-समझकर, सोच-समझकर और ईमानदारी से लिया जाना चाहिए। इसके कानूनी और पर्सनल मतलब पता होते हैं, जिन्हें बाद में रिश्ते में खटास आने पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

**महिला वकील ने दर्ज कराई थी एफआईआर** : एक महिला वकील द्वारा 2022 में दर्ज कराई गई एफआईआर में उसने आरोप लगाया था कि आरोपी ने कथित तौर पर अपना धर्म और शादीशुदा होने की जानकारी छुपाकर सालों तक उसका यौन

शोषण कर शादी के लिए मजबूर किया और अश्लील तस्वीरों से धमकाया। उसने दावा किया कि उसे बाद में पता चला कि वह पहले से शादीशुदा था और रिश्ते के दौरान उसे डराया-धमकाया गया और कैद किया गया।

**हाईकोर्ट ने खारिज की महिला की अर्जी** : आरोपी को बरी किए जाने के खिलाफ महिला की अर्जी को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि यह रिश्ता करीब 11 साल तक चला। इस दौरान वह आरोपी के साथ खुलेआम रही, कानूनी पढ़ाई की, वकील के तौर पर प्रैक्टिस की और बिना कोई शिकायत दर्ज कराए लोगों से मिलती-जुलती रही।

**कोर्ट ने माना आरोपी के बारे में सब कुछ जानती थी महिला** : कोर्ट ने माना कि सबूतों से पता चलता है कि शिकायतकर्ता को आरोपी के धर्म और मैरिटल स्टेटस के बारे में पता था, जिससे धोखे से शादी करने का अपराध नहीं बनता।

जज ने कहा, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि जहां एक धर्म को मानने वाली महिला दूसरे धर्म को मानने वाले पुरुष से शादी करने का फैसला करती है, और उसकी

पहचान के बारे में पूरी जानकारी रखती है, उसके साथ वकील के तौर पर काम करती है, और कोर्ट में उसके साथ पेश होती है, तो बाद में यह कहना मुश्किल है कि उसे उसकी धार्मिक पहचान के बारे में पता नहीं था या उसे इस बारे में गुमराह किया गया था। इसके अलावा, कोर्ट ने कहा कि महिला एक कानूनी तौर पर ट्रेड होने के चलते पर्सनल लॉ, धार्मिक रीति-रिवाजों और शादीशुदा नियमों के मतलब के साथ-साथ ऐसे रिश्ते से होने वाले कानूनी नतीजों के

बारे में भी जानती होगी।

फैसले में कहा गया है कि जहां कोई व्यक्ति, पढ़ा-लिखा व्यक्ति जानबूझकर किसी रिश्ते में आता है, अलग-अलग धार्मिक रीति-रिवाजों के तहत होने वाले समारोहों में हिस्सा लेता है, और लंबे समय तक उस रिश्ते को जारी रखता है, तो बाद में उस फैसले के नतीजों को खत्म करने के लिए कानून का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, सिर्फ इसलिए कि रिश्ता खराब हो गया है।

## क्रिमिनल लॉ का मकसद क्राइम के असली पीड़ितों की रक्षा करना

कोर्ट ने कहा, क्रिमिनल लॉ का मकसद क्राइम के असली पीड़ितों की रक्षा करना है, न कि ऐसे रिश्ते के इतिहास को फिर से लिखना जो अपनी मर्जी से बना हो, सबके सामने माना गया हो और कई सालों तक चला हो। समाज को पता हो और व्यवहार से पका किया गया रिश्ता बाद में सिर्फ इसलिए क्रिमिनल नहीं कहा जा सकता क्योंकि वह उस तरह से खत्म नहीं हुआ जैसा एक पार्टी ने सोचा था। कोर्ट ने कहा, क्रिमिनल लॉ का मकसद अपराध के असली पीड़ितों की रक्षा करना है, न कि ऐसे रिश्ते के इतिहास को फिर से लिखना जो अपनी मर्जी से बना हो, सबके सामने माना गया हो और कई सालों तक चला हो। समाज को पता हो और व्यवहार से पका किया गया रिश्ता बाद में सिर्फ इसलिए क्रिमिनल नहीं कहा जा सकता क्योंकि वह उस तरह से खत्म नहीं हुआ जैसा एक पार्टी ने सोचा था।

## दिल्ली-एनसीआर में फिर लौटी ठंड

राजस्थान और एमपी में गिरे ओले; उत्तराखंड में बर्फबारी



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अधिकांश हिस्सों में मौसम का मिजाज पल-पल बदल रहा है। बीते दिनों तापमान में अचानक हुई गिरावट के कारण गमी अपना रंग दिखाना शुरू कर दी। वहीं, बुधवार को कई राज्यों में हुई बारिश के कारण एक बार फिर ठंड लौट आई है। दरअसल, मौसम विभाग ने आज उत्तराखंड, हिमाचल, तमिलनाडु, एमपी, राजस्थान में कुछ जगहों पर बारिश के साथ ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट की संभावना है जिसके कारण कारण सर्दी के बढ़ने की आशंका है।

**दिल्ली-एनसीआर में कैसा रहेगा आज का मौसम** : मौसम

विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आज यानी 19 फरवरी को मौसम साफ रहेगा, हालांकि, तापमान में गिरावट देखने को मिल रहा है। आज दिल्ली-एनसीआर में न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 20 फरवरी को भी पारा 12 से 28 डिग्री के बीच रहेगा। 21 फरवरी को न्यूनतम 13 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। 22 फरवरी से तापमान में बड़ेतरती देखने को मिल सकता है।

**यूपी में कैसा रहेगा आज का मौसम** : उत्तर प्रदेश के मौसम में भी उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। बीते दिनों पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों में हुई बारिश के बाद अब मौसम स्थिर होता दिखाई दे रहा है।

आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी के संकेत हैं। 20 फरवरी से पारा 28 से 30 डिग्री तक पहुंच सकता है। जिसके कारण गमी बढ़ने की संभावना है।

**उत्तराखंड का मौसम** : उत्तराखंड में पिछले कई दिनों से प्रदेशभर में मौसम शुष्क बना हुआ था और तापमान में बढ़ोतरी के चलते हल्की गर्माहट महसूस की जा रही थी। लेकिन बुधवार को अचानक बदले मौसम के कारण हालात बदल गए। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के साथ-साथ हेमकुंड साहिब में भी हल्की बर्फबारी दर्ज की गई। बर्फबारी के कारण हाइवों में शीत लहर का असर बढ़ गया है। मौसम विभाग ने आज भी 3000 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना जताई है।

**मध्य प्रदेश का मौसम** : मध्य प्रदेश के भोपाल, ग्वालियर में रतलाम, श्योपुर, सूरना, शिवपुरी, मंदसौर समेत 20 जिलों में बारिश देखने को मिली। आज भोपाल-ग्वालियर में सुबह से बारिश हो रही है।

## शिवनेरी किले में शिवाजी जयंती पर बेकाबू भीड़

श्रद्धालु का पैर फिसलने से भगदड़ जैसे हालात; 3 घायल

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में छत्रपति शिवाजी जयंती के मौके पर छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मस्थान शिवनेरी किले में भारी भीड़ जमा होने पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस हादसे में 3 लोग घायल हो गए हैं। भक्त, शिव ज्योति (औपचारिक आग) लेकर युवाओं के गुप और पूरे महाराष्ट्र से अलग-अलग संगठनों के सदस्य देर रात किले में जमा हो गए थे।

इस वजह से, मुख्य समारोह से काफी पहले ही किला परिसर खचाखच भर गया था। बढती भीड़ को संभालने के लिए पुलिस की कमी के कारण, कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

इसके बाद अंबरखाना इलाके के नीचे संकरी जगहों, खासकर हाथी दरवाजा और गुणेश दरवाजे के एंट्रेंस के आसपास भारी भीड़ को खबर मिली। बड़ी संख्या में लोगों के एक साथ आगे बढ़ने की कोशिश करने से रास्ते बहुत भीड़भाड़



वाले हो गए, जिससे अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस भगदड़ में महिलाओं और छोटे बच्चों समेत कई लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत जूत्रार के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

**पुलिस ने क्या कहा** : पुणे ग्रामीण SP संदीप सिंह गिल ने कहा, अगर आप यहां जुत्रार

में शिवनेरी किले के ऊपर शिवाजी के जन्मस्थान को देखें, तो कल सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए आ रहे हैं और रात भर दर्शन होते रहे...एक भक्त फिसल गया और इस वजह से और लोग सीढ़ियों पर गिर गए और उनमें से तीन घायल हो गए। कोई भगदड़ नहीं हुई।

## कंसर्ट की भीड़ से लेकर तेल के कुओं तक

वाशिंगटन, एजेंसी। भूकंप आमतौर पर धरती के अंदर मौजूद फॉल्ट लाइनों (दरारों) में होने वाली प्राकृतिक हलचल से आते हैं। लेकिन कुछ खास परिस्थितियों में इंसानी गतिविधियां भी जमीन में कंपन पैदा कर सकती हैं। वैज्ञानिक प्राकृतिक टेक्टोनिक भूकंप और इंसानों द्वारा उत्पन्न कंपन (इंड्यूस्ड भूकंप) के बीच फर्क करते हैं। खनन, बड़े जलाशयों को भरना या जमीन के अंदर तरल पदार्थ इंजेक्ट करना जैसी गतिविधियां छोटे भूकंपीय झटके पैदा कर सकती हैं। ज्यादातर ऐसे झटके बहुत हल्के होते हैं और किसी तरह का नुकसान नहीं करते। हालांकि कुछ इलाकों में औद्योगिक गतिविधियों से अपेक्षाकृत तेज झटके भी दर्ज किए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि



एसे भूकंप क्यों और कैसे आते हैं, और क्या इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। सवाल यह नहीं है कि इंसान जमीन को हिला सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि यह कितना बड़ा असर डाल सकता है और इसे कितना नियंत्रित किया जा सकता है।

**भीड़ भी पैदा कर सकती है**

**हल्का कंपन** : अमेरिका के सिएटल शहर में एक कंसर्ट के दौरान पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट के शो में हजारों प्रशंसकों के एक साथ कुदने-पाचने से जमीन में कंपन दर्ज हुआ। यह कंपन करीब 2.3 तीव्रता के भूकंप का अध्ययन किया। तेल कंपनियां जब अपशिष्ट पानी को जमीन के बहुत नीचे इंजेक्ट करती हैं, तो वहां दबाव बढ़ता है।

अनुसार जब बड़ी संख्या में लोग एक साथ उछलते हैं तो उनकी ऊर्जा जमीन में तरंगों के रूप में फैलती है। हालांकि 2.3 तीव्रता का झटका बहुत छोटा माना जाता है। इसे केवल आसपास ही महसूस किया जा सकता है और इससे किसी तरह का नुकसान नहीं होता। यह कंपन अस्थायी होता है और इसमें धरती की गहरी फॉल्ट लाइनें शामिल नहीं होतीं।

**जमीन के नीचे तरल इंजेक्शन से असली भूकंप** : ज्यादा गंभीर मामले तेल और गैस उद्योग से जुड़े पाए गए हैं। मैसाचुसेट्स की तकनीकी संस्था के वैज्ञानिकों ने इटली के एक तेल क्षेत्र का अध्ययन किया। तेल कंपनियां जब अपशिष्ट पानी को जमीन के बहुत नीचे इंजेक्ट करती हैं, तो वहां दबाव बढ़ता है।

## न्यूयॉर्क में फिर शुरू होगी बेघर लोगों के कैंप हटाने की कार्रवाई



**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एलान किया है कि शहर में सड़क किनारे और पार्कों में बने अस्थायी बेघर कैंप (टेंट बस्ती) फिर से हटाए जाएंगे। लेकिन इस बार उनका कहना है कि तरीका पहले से अलग और ज्यादा मानवीय (इंसानियत भरा) होगा।

बता दें कि, मेयर बनने के कुछ

ही दिनों बाद जोहरान ममदानी ने पुराने मेयर एरिक एडम्स की कैंप हटाने वाली नीति रोक दी थी। उनका मानना था कि सिर्फ कैंप हटाने से समस्या हल नहीं होगी, लोगों को घर और सही मदद मिलनी चाहिए। हाल ही में न्यूयॉर्क में कड़के की ठंड पड़ी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की बाहर ठंड से मौत हो गई।

## कनाडा में घटी विदेशी छात्रों की संख्या 61 प्रतिशत की आई कमी

इन नियमों का भारतीय छात्रों पर दिखा असर

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा अस्थायी निवासियों (जिनमें छात्र भी शामिल हैं) की संख्या कम करने और आवास, बुनियादी ढांचे व सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव घटाने के लिए उठाए गए कदमों का असर अब साफ दिखने लगा है। हालिया आंकड़ों में यह सामने आया है कि नए स्टडी परमिट जारी होने की संख्या में करीब 61 प्रतिशत की कमी आई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजिस एंड सिटिजनशिप कनाडा के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024 में जहां 2 लाख 93 हजार 60 नए अंतरराष्ट्रीय छात्र आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 1 लाख 15 हजार 470 रह गई है।



**कितनी हो गई संख्या** : दिसंबर 2024 में 29,835 नए छात्र पहुंचे थे जबकि दिसंबर 2025 में यह संख्या घटकर सिर्फ 9,665 रह गई। अगस्त और दिसंबर में आमतौर पर ज्यादा स्टडी परमिट जारी होते

हैं, क्योंकि इन्हीं महीनों में फॉल और विंटर सेमेस्टर शुरू होते हैं। मासिक आंकड़ों में भी गिरावट देखी गई है। उदाहरण के लिए, अप्रैल 2024 में 45 हजार 790 नए परमिट जारी हुए थे, जो अप्रैल 2025 में घटकर

8525 रह गए। अगस्त 2024 में 79 हजार 740 परमिट जारी हुए, जबकि अगस्त 2025 में 45 हजार 35 रह गए।

**कनाडा सरकार ने कैंप की तय** : कनाडा सरकार ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए सालाना सीमा (कैप) तय की थी। इसके बाद 2025 और 2026 के लिए भी लक्ष्य कम कर दिए गए। पिछले साल घोषित 2025-2027 की योजना में 2026 के लिए 3.05 लाख छात्रों का लक्ष्य रखा गया था। अब नई 2026-2028 आब्रजन योजना में इसे घटाकर 1.55 लाख कर दिया गया है और अगले दो साल में इसमें हल्की और नई होगी। रेगुलेटेड कनाडियन इमिग्रेशन कंसल्टेंट मैथ्यू मैकडोनाल्ड ने कहा था कि 2026 के लिए लक्ष्य में 50 प्रतिशत की कटौती बड़ी बात है। इससे कालेज और यूनिवर्सिटी कम एडमिशन ऑफर दे पाएंगे, जिससे कनाडा के शिक्षा क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा। सरकार का कहना है कि वह आब्रजन

को सस्टेनेबल स्तर पर लाना चाहती है और अस्थायी निवासियों की संख्या को कुल आबादी के 5 प्रतिशत से नीचे रखना चाहती है।

**भारतीय छात्रों पर असर** : इंटरनेशनल स्टूडेंट प्रोग्राम को भी सख्त किया है। अब एडमिशन लेटर की अनिवार्य जांच होती है। छात्रों के लिए फाइनेंशियल प्लूफ की राशि 10,000 कनाडाई डॉलर से बढ़ाकर 30,635 कनाडाई डॉलर कर दी गई है। पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट के नियम भी कड़े किए गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत से 3.25 लाख स्टडी परमिट जारी किए गए थे, जिससे भारत सबसे बड़ा स्रोत देश बना हुआ था। नई नीति का असर भारतीय छात्रों पर भी पड़ा है। सिर्फ छात्रों ही नहीं, अस्थायी विदेशी कामगारों की संख्या में भी गिरावट आई है। 2024 में करीब 4 लाख नए वर्कर आए थे, जो 2025 में घटकर 2.09 लाख रह गए।

## बंगाल में मतदाता सूची में वोटर का नाम शेख राजेश अली और पिता भुवनचंद्र बेरा

सुपर पेंकिंग के दौरान मिली यह गड़बड़ी

**कोलकाता, एजेंसी।** बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआइआर) के दौरान एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जिसने चुनाव प्रक्रिया की शुचित्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व मेदिनीपुर के पांशकुड़ा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में सुपर-चेकिंग के दौरान पर्यवेक्षकों ने पाया कि एक मतदाता, शेख राजेश अली के पिता का नाम भुवनचंद्र बेरा दर्ज किया गया है। मालूम हो कि राज्य में एसआइआर की सुनवाई के दौरान आयोग ने करीब 1.5 करोड़ नोटिस जारी किए थे, जिनमें 32 लाख अनमैड मतदाता और 1.2 करोड़ लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी (ताकिक विषमताओं) वाले मतदाता शामिल थे। अब जबकि 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होनी है, इस तरह की त्रुटियों ने प्रशासन की नोंद उड़ा दी है। हेरान की बात यह है कि रिकार्ड के अनुसार, भुवनचंद्र बेरा असल में विजयकृष्ण बेरा नामक एक अन्य मतदाता के पिता हैं। पर्यवेक्षकों ने नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया है कि बिना किसी दस्तावेजों के सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) ने इस तरह की जानकारी पोर्टल पर कैसे अपलोड कर दी। आयोग के अधिकारियों का मानना है कि यह केवल मानवीय भूल नहीं बल्कि प्रक्रियात्मक चूक हो सकती है। इस विषयगत को देखते हुए पर्यवेक्षकों ने दिल्ली स्थित भारत निर्वाचन आयोग को अपनी विस्तृत रिपोर्ट भेज दी है। लाखों दस्तावेज अभी भी पेंडिंग : सूचों के मुताबिक, 28 फरवरी को प्रस्तावित अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन तकनीकी कारणों से आगे बढ़ सकता है। मुख्य समस्या यह है कि सुनवाई प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद लाखों आवेदकों के दस्तावेज अब भी ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड नहीं किए जा सके हैं। आंकड़ों के अनुसार, दो दिन पहले तक राज्य भर में कुल 1,14,772 दस्तावेज सिस्टम में दर्ज होने बाकी हैं। आयोग ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि जिन 35,000 लोगों के दस्तावेज स्वीकार्य नहीं थे, उन्हें अयोग्य घोषित कर सूची से बाहर कर दिया गया है।

## हैदराबाद में पूर्व पति ने घर में घुसकर की महिला की हत्या,

घरेलू हिंसा के केस को लेकर था नाराज

**हैदराबाद, एजेंसी।** हैदराबाद के एक शख्स ने अपनी पूर्व पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। दरअसल व्यक्ति कनाडा के एक आईटी कंपनी में काम करता था, लेकिन पूर्व पत्नी को और से दार पर लूट हिंसा के मामले के कारण वह कनाडा नहीं जा सकता था। इस बात से निराश होकर उसने अपनी पूर्व पत्नी को सिर में चाकू मारकर हत्या कर दी। गौरतलब है कि महिला एक आईटी कंपनी में काम करती थी। उसने दूसरी शादी भी कर ली थी। आरोपी शख्स ने महिला को अपनी मां की मौत के लिए भी जिम्मेदार ठहराया। अपनी शिकायत में महिला के दूसरे पति ने कहा कि वह तीन महीने की गर्भवती थी। हालांकि, पुलिस ने कहा कि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

**2022 में हुई थी शादी** : आरोपी व्यक्ति ने 2022 में महिला से शादी की थी। शादी भारत में हुआ था और बाद में वह व्यक्ति कनाडा चला गया। इस दौरान महिला भी उसके साथ कनाडा गई थी। हत्या के बाद आरोपी पर लुकआउट सर्कुलर जारी हो गया और उसका पासपोर्ट स्पेंड कर दिया गया। वह कनाडा वापस नहीं जा सका। 2024 में दो साल का तलाक हो गया था। तलाक के बाद महिला ने अप्रैल 2025 में दूसरी शादी कर ली। आरोपी मार्च 2025 में अपनी मां की मौत के बाद भारत लौटा था। वह बेरोजगार हो गया और तेलंगाना के पेद्दपल्ली जिले में अपने माता-पिता के घर रहने लगा। आरोपी को लगता था कि पूर्व पत्नी की वजह से उसे और उसके परिवार को मानसिक पीड़ा हुई। वह अपनी मां की मौत को भी इसी मानसिक तनाव से जोड़ता था। वह महिला की नई जिंदगी और दूसरी शादी से और ज्यादा खफा था।

**कैसे की हत्या की प्लानिंग** : आरोपी ने ठान लिया कि वह महिला को मार डालेगा। उसने सोशल मीडिया के जरिए उसका पता लगाया। दो महीने पहले वह हैदराबाद आ गया और एक हॉस्टल में रहने लगा। उसने महिला के अपार्टमेंट की रेकी की और पूरी प्लानिंग की। बुधवार को वह एक बैग लेकर महिला के घर पहुंचा। बैग में दो चाकू, एक ड्रिज़िंग मशीन और पांच लीटर पेट्रोल का डिब्बा था। उसने घर में घुसकर महिला जिस कमरे में थी, वहां पहुंचा और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद आरोपी ने महिला के सिर में बार-बार चाकू मारकर उसे तुरंत मौत के घाट उतार दिया। महिला की सास बालकनी पर थीं, जब यह वारदात हुई। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को फोन किया। पुलिस टीम पहुंची तो आरोपी ने कमरे में हर तरफ पेट्रोल छिड़क दिया था और खुद को टॉयलेट में बंद कर लिया था। उसने धमकी दी कि वह कमरे को आग लगा देगा। पुलिस ने काफी मनाने के बाद उसे टॉयलेट से बाहर निकाला और गिरफ्तार कर लिया।

## कुख्यात आरोपित भय्यू लाला की संदिग्ध मौत

पुलिस के डर से छुपा था पलंग पेटी में

**मंसौर, एजेंसी।** मंसौर जिले के सीतामठ थाना क्षेत्र के ग्राम सुरजनी में कुख्यात आरोपित भय्यू लाला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसके घर पर पुलिस ने दबिश दी थी जिनसे बचने के लिए वह पलंग पेटी में छुपा गया था और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। भय्यू लाला पर लगभग 19 प्रकरण दर्ज हैं। मित्ती जानकारी के अनुसार सीतामठ पुलिस ने बुधवार रात में भय्यू लाला की तलाश में ग्राम सुरजनी में उसके घर पर दबिश दी थी। तब भय्यू लाला घर पर ही था। और पुलिस के डर से वह पलंग पेटी में छुपा गया। थोड़ी देर घर के खान बनी कर पुलिसकर्मी चले गए। इधर पेटी के अंदर दम घुटने से भय्यू लाला की मौत हो गई। हालांकि भय्यू लाला के परिवार वालों का आरोप है कि पुलिस ने घर में घुसकर मारा है। 25 लाख रुपये मांगने का भी आरोप लगाया है। और घर से डीवीआर ले जाने का भी आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार भय्यू लाला पर 19 अपराध दर्ज हैं। उसकी हिस्ट्री शीट भी खुली हुई थी। लाला पर पांच हजार रुपये का इनम भी घोषित था।

**मुंबई पुलिस को भी तलाश थी** : कुछ माह पहले मुंबई पुलिस ने भी जांच पर भय्यू लाला के दो गुणों को 10 किलो एमडी के साथ जावरा में पकड़ा था। तबसे मुंबई पुलिस को भी उसकी तलाश थी।

**दिल्ली में फर्जी एनआईए आई-कार्ड के सहारे नौकरी का झांसा देने वाला गिरफ्तार**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी दिल्ली में फर्जी पहचान पत्र के जरिए नौकरी दिलाने का झांसा देने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, कांतवाली थाना पुलिस की गश्ती टीम ने बुधवार को लाल किराता क्षेत्र के पीछे दिल्ली चला पार्क के पास एक संदिग्ध वाहन से आरोपी को हिरासत में लिया। वाहन में उसके साथ एक नाबालिग भी मौजूद था, जिसे बाद में परिजनों के संपर्क में लाया गया। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान आरोपी के पास से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का एक कथित पहचान पत्र बरामद हुआ। प्राथमिक जांच में यह आई-कार्ड फर्जी पाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि एनआईए इस प्रकार का कोई पहचान पत्र जारी नहीं करती। जांच में सामने आया कि आरोपी इसी फर्जी पहचान के जरिए लोगों पर रौब जमाकर उन्हें सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा देता था।

# स्वरोजगार योजनाओं में 31 मार्च तक शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति कराएं: मुख्य सचिव

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस के एजेण्डा बिन्दुओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर 31 मार्च के पहले बैंकों के साथ कम से कम दो बैठकें करके स्वरोजगार योजनाओं की शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति कराएं। छोटे-छोटे स्वरोजगार भी आर्थिक उन्नति का बड़ा अवसर देते हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में लंबित तथा बैंकों द्वारा निरस्त किए गए प्रकरणों की समीक्षा करके इन्हें स्वीकृत और वितरित कराएं जिला उद्योग संवर्धन समिति की हर माह बैठक आयोजित करके औद्योगिक निवेश की समीक्षा करें उद्योगों

## किसान मित्र सूर्य घर योजना का लाभ सभी किसानों को दें



की स्थापना के लिए जमीन आवंटन तथा अन्य आवश्यकताएं तय समय पर पूरा करें नए औद्योगिक क्षेत्रों के निर्माण के लिए भी जमीनों का चिन्हांकन कर लें आर्थिक विकास के लिए 79 नए औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं

उद्योगों की स्थापना से आर्थिक विकास को गति मिलेगी सभी कलेक्टर प्रधानमंत्री गति शक्ति पोर्टल पर संबंधित विभागों की जानकारी दर्ज कराएं। योजनाओं की मॉनीटरिंग में इस पोर्टल का उपयोग करें मुख्य सचिव ने कहा कि

नवकरणीय ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा संरक्षण दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं प्रदेश में 41 जिलों में सरकारी भवनों में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने का कार्य पूरा हो गया है प्रधानमंत्री किसान मित्र सूर्य घर योजना में किसान से



नाममात्र की राशि लेकर सोलर प्लांट लगाए जा रहे हैं इसमें बैंक ऋण भी किसी भी तरह जमीन बंधक रखने का प्रावधान नहीं है। इस वर्ष एक लाख सिंचाई पंपों में सौर ऊर्जा से कनेक्शन का लक्ष्य रखा गया है हर किसान को सौर

ऊर्जा के उपयोग से जोड़े इस वर्ष प्रदेश में कृषि वर्ष मनाया जा रहा है इसकी कार्ययोजना तत्काल तैयार कराकर उसके अनुरूप गतिविधियाँ संचालित करें संकल्प से समाधान अभियान में प्राप्त आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करें।

## मर्डर केस का एसपी ने किया रिव्यू, घटनास्थल का मुआयना भी किया



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के कुसमी विकासखंड में चर्चित पुजारी हत्या प्रकरण की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने बुधवार रात विस्तृत निरीक्षण किया उन्होंने जांच की दिशा और गति का जायजा लिया एसपी रात लगभग 10 बजे पहुंचे और करीब 11 बजे तक थाने में रिकॉर्ड की जांच की उन्होंने घटनास्थल, आरोपी के घर और संबंधित मंदिर का भी निरीक्षण किया इस दौरान विवेचना से जुड़े दस्तावेजों, केस डायरी और साक्ष्यों का बारीकी से परीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान मृतक पुजारी के परिजन भी थाने पहुंचे उन्होंने एसपी से सीधे

संवाद कर निष्पक्ष व त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जताई एसपी ने उन्हें आश्वस्त किया कि हत्या प्रकरण की जांच के लिए पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से काम कर रही है और न्याय सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जा रही हैं मौके पर मौजूद अन्य ग्रामीणों ने भी एसपी से बातचीत की एसपी संतोष कोरी ने बताया कि वे हत्या प्रकरण की जांच के चरण, अब तक की प्रगति और आगे की प्रक्रिया का मूल्यांकन करने कुसमी आए थे उन्होंने स्पष्ट किया कि मर्डर से संबंधित सभी रिकॉर्ड व साक्ष्य न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत शीघ्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

## मवेशियों से भरा ट्रक पकड़ा, 21 पशु मुक्त कराए गए; 3 तस्कर गिरफ्तार



मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। गोहापार पुलिस ने पशु तस्करों के एक बड़े मामले का भंडाफोड़ किया है पुलिस ने गुरुवार तड़के लगभग 5 बजे बूचड़खाने ले जाए जा रहे मवेशियों से भरे एक ट्रक को पकड़ा इस कार्रवाई में 21 मवेशियों को मुक्त कराया गया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया यह ट्रक अरूपपुर जिले से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा था पुलिस के अनुसार, बुधवार देर रात मुखबिर से सूचना मिली थी

दो वाहन और थाने से अतिरिक्त पुलिस बल मौजूद था आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पहले से की गई घेराबंदी के कारण वे सफल नहीं हो सके पुलिस ने चालक सहित तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया पुलिस ने बताया कि बरामद किए गए मवेशियों को बूचड़खाने ले जाया जा रहा था सभी मवेशियों को सुरक्षित निकालकर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ संबंधित थाराओं में मामला दर्ज कर पृथक्ता जारी है पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है गौरतलब है कि इस घटना से एक दिन पहले ही झींक बिजुरी चौकी पुलिस ने जंगलों के रास्ते पैदल मवेशियों की तस्करी करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया था।

## सूखे कुएं में 3 दिन से फंसा था चीतल वन विभाग और ग्रामीणों ने बाहर निकाला



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। बहरी वन परिक्षेत्र के सरदा बीट में गुरुवार को एक चीतल का सफल रेस्क्यू किया गया यह चीतल पिछले तीन दिनों से एक सूखे कुएं में फंसा हुआ था ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर इसे सुरक्षित बाहर निकाला कुएं से आ रही आवाजों को सुनकर ग्रामीणों ने जब अंदर झांका, तो वहां चीतल फंसा हुआ नजर आया इसके बाद तत्काल इसकी जानकारी वन विभाग को दी गई परिक्षेत्र अधिकारी प्रीति अहिरवार के निर्देश पर वनाल पंकज मिश्रा और उनकी टीम रेस्क्यू के लिए पहुंची रेस्क्यू के

दौरान ग्रीन नेट (जाली) का उपयोग किया गया। सावधानी से जाली को कुएं में उतारकर चीतल को उसमें फंसाया गया और फिर धीरे-धीरे उसे ऊपर खींचकर बाहर निकाला गया। इस कार्य में स्थानीय ग्रामीणों ने भी वन विभाग की टीम को मदद की बाहर निकालने के बाद जांच में पाया गया कि गिरने के कारण चीतल के जबड़े और पैर में हल्की चोटें आई थीं। वन विभाग की टीम ने मौके पर ही उसे प्राथमिक उपचार दिया। चोटों पर हल्दी का लेप लगाया गया और स्थिति सामान्य होने पर उसे सुरक्षित रूप से वापस जंगल में छोड़ दिया गया।

## नेशनल लोक अदालत के संबंध में नगर पालिका एवं विद्युत विभाग के अधिकारीगण के साथ प्रीसिटिंग बैठक आयोजित



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष की पहली नेशनल लोक अदालत 14 मार्च 2026 का आयोजन जिला न्यायालय तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैनिक एवं मझौली में किया जायेगा इसी क्रम यतीन्द्र कुमार गुरू विशेष न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत की अध्यक्षता में नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए संबंधित न्यायालय अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा

प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा शिवहरे ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य अपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का मूल्यांकन प्रकरणों की आपसी सहमति से किया जावेगा बैठक में आपसी विवादों के समाधान एवं लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लोक अदालत की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई और अधिक से अधिक मामलों को आपसी सहमति से निस्तारित करने के निर्देश प्रसारित किए गए।

प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा शिवहरे ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य अपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का मूल्यांकन प्रकरणों की आपसी सहमति से किया जावेगा बैठक में आपसी विवादों के समाधान एवं लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लोक अदालत की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई और अधिक से अधिक मामलों को आपसी सहमति से निस्तारित करने के निर्देश प्रसारित किए गए।

## जिला वनोपज सहकारी संघ द्वारा वन मण्डल स्तरीय शाखकर्तन कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। वर्ष 2026 के तेन्दूपता सीजन के संदर्भ में वन मण्डल स्तरीय शाखकर्तन कार्यशाला का आयोजन 18 फरवरी 2026 को प्रसंकरण केंद्र गांधीग्राम में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता वन मण्डल अधिकारी एवं पदेन प्रबंध संचालक, जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित सीधी द्वारा की गई कार्यशाला में उप वन मण्डल अधिकारी सीधी एवं मझौली, समस्त वन परिक्षेत्र अधिकारी (सामान्य वन मण्डल सीधी), जिला यूनियन के अध्यक्ष, संचालक मंडल के सदस्य, जिला वनोपज यूनियन सीधी अंतर्गत आने वाली 51 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के अध्यक्ष, फंड अधिकारी, समिति अध्यक्ष एवं प्रबंधक तथा फेडरेशन उपस्थित रहे बैठक में बताया गया कि इस वर्ष जिला यूनियन के अंतर्गत

1,06,411 मानक बोरा तेन्दूपता संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है अच्छी गुणवत्ता के शाखकर्तन कार्य, शाखकर्तन मजदूरी का समय पर भुगतान, एकलव्य शिक्षा विकास योजना के प्रचार-प्रसार, संग्रहकों का सर्वे रजिस्टर तैयार करने, गुणवत्ता युक्त तेन्दूपता संग्रहण, 50 पत्तों की गड्ढी बनाने तथा समय पर संग्रहण भुगतान सुनिश्चित करने के संबंध में अधिकारियों, नोडल अधिकारियों एवं प्रबंधकों को विस्तृत समझाइश दी गई चर्चा के दौरान कार्य में आने वाली कठिनाइयों के समाधान के उपायों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला उपरांत प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति गांधीग्राम अंतर्गत ग्राम गांधीग्राम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अच्छी गुणवत्ता का शाखकर्तन करने हेतु शाखकर्तन कार्य का प्रदर्शन भी कराया गया।

## एनटीपीसी विंध्याचल पाइपलाइन फटी, सड़क पर आया मलबा; सैकड़ों टन फ्लाइंग ऐश फैला



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में स्थित देश के सबसे बड़े बिजली संयंत्रों में से एक, एनटीपीसी विंध्याचल की फ्लाइंग ऐश पाइपलाइन गुरुवार दोपहर अचानक फट गई इस हादसे के बाद सैकड़ों टन राख (फ्लाइंग ऐश) और पानी का मिश्रण तेज दबाव के साथ विंध्यनगर से शक्तिनगर (उत्तरप्रदेश) को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर आ गया अचानक हुए इस घटनाक्रम से मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया पाइपलाइन फटने से सड़क पर भारी मात्रा में कीचड़ जैसा मलबा जमा हो गया, जिससे मार्ग अत्यधिक फिसलन भरा हो गया अत्यधिक फिसलन भरा हो गया प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना



के समय सड़क से गुजर रहे कई दोपहिया वाहन चालक संतुलन बिगड़ने से गिर पड़े गनीमत रही कि कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। मलबे के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगा गईं और आवागमन घंटों तक बाधित रहा हादसे के काफी देर बाद एनटीपीसी की तकनीकी और आपातकालीन टीम मौके पर

पहुंची टीम ने सबसे पहले पाइपलाइन की सफाई बंद की और मरम्मत का कार्य शुरू किया सड़क पर फैले फ्लाइंग ऐश को हटाने के लिए मशीनें लगाई गईं, ताकि फिसलन कम की जा सके और यातायात को दोबारा बहाल किया जा सके देर शाम तक मार्ग को सफाई का कार्य जारी रहा प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

स्थानीय वार्ड पार्षद प्रेम सागर ने इस घटना के लिए एनटीपीसी प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया उन्होंने आरोप लगाया कि फ्लाइंग ऐश सफाई करने वाली पाइपलाइनें काफी पुरानी और जर्जर हो चुकी हैं लेकिन समय पर उनका रखरखाव नहीं किया जा रहा है पार्षद ने बताया कि पूर्व में भी लीकेज के कारण किसानों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं लेकिन बार-बार शिकायत के बावजूद प्रबंधन ने कोई स्थायी ठोस कदम नहीं उठाया इस संबंध में जब एनटीपीसी प्रबंधन का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, तो जनसंपर्क अधिकारी शंकर सुब्रमण्यम ने व्यस्तता का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

## पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में धूमधाम से मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। चुरहट स्थित पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय में महान मराठा सेनानी छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े उत्साह, श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ ने बड़े-चढ़कर सहभागिता निभाई कार्यक्रम में विद्यालय की प्रवासन नीति के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय हिंगोली महाराष्ट्र से आए माइग्रेसन विद्यार्थियों ने विशेष प्रस्तुतियाँ दीं इस दौरान भाषण एवं शिव गर्जना कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे माइग्रेसन छात्र मास्टर बदीनाथ गाँवें एवं छात्रा गायत्री आसुरे ने मराठी भाषा में प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया मास्टर सर्वेश रामन गिरे ने हिंदी तथा सुमित महामुने ने अंग्रेजी भाषा में अपने विचार व्यक्त किए प्रवासन छात्राओं द्वारा प्रस्तुत शिव गर्जना ने वातावरण को जोश एवं उत्साह से भर दिया स्थानीय विद्यार्थियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई कक्षा 12वीं के

छात्र मोहित ने दमदार शिव गर्जना प्रस्तुत कर सभी को प्रेरित किया कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की शौर्य, साहस, स्वाभिमान एवं राष्ट्रभक्ति के प्रतीक शिवाजी महाराज के आदर्शों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया तथा उनके जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया यह आयोजन उप प्राचार्य एस.के. तिवारी, माइग्रेसन इंचार्ज सुलभा रहाटे (टीजीटी मराठी), सतीश रहाटे (पीजीटी), सुधीर सरोज (पीजीटी हिंदी), सावन भगत (टीजीटी मराठी) एवं समस्त स्टाफ के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, उनके विचारों एवं उनकी वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

## नगर निगम परिषद बैठक हंगामे के बाद स्थगित

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम परिषद की बैठक 11 महीने बाद गुरुवार को हुई लेकिन बैठक शुरू होते ही हंगामा हो गया बैठक शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद इसे शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया भाजपा और कांग्रेस के कुल 25 पार्षदों ने परिषद का बहिष्कार करते हुए सदन से बाहर जाने का फैसला किया। स्थिति को देखते हुए नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे ने कार्रवाई स्थगित करने की घोषणा की कांग्रेस पार्षद अनिल कुमार ने परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए उन्होंने आरोप लगाया कि बैठक मसामाने ढंग से चलाई जा रही है और प्रस्तावों को बिना सहमति के जोड़ा या घटाया जा रहा है उनके

## भाजपा-कांग्रेस पार्षदों ने किया बहिष्कार; बोले-विकास मुद्दों पर चर्चा नहीं करते



अनुसार, शहर के विकास से जुड़े किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं हो रही है पार्षदों ने नगर निगम अधिकारियों पर लगातार भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया इन आरोपों के बाद अधिकांश पार्षद सदन से

बाहर चले गए। कांग्रेस पार्षद राजेश सिंह ने महापौर रानी अग्रवाल पर नियमों की अनदेखी और मनमानी करने का आरोप लगाया शेखर सिंह ने कहा कि परिषद में समय बर्बाद हो रहा है और

वास्तविक विकास कार्यों पर कोई गंभीर चर्चा नहीं हो रही है वहीं, महापौर रानी अग्रवाल ने परिषद में प्रस्तुत होने वाले प्रस्तावों को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की उन्होंने कहा कि उन्हें प्रस्ताव जोड़ने और



घटाने का अधिकार है इस मुद्दे पर कुछ देर तक तीखी बहस हुई बाद में नगर निगम अध्यक्ष और अधिकारियों ने नगर पालिका निगम अधिनियम का हवाला देकर स्थिति स्पष्ट की इसके बाद

परिषद की बैठक को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया पूरी बैठक के दौरान शहर के विकास से संबंधित किसी भी अहम मुद्दे पर चर्चा नहीं हो सकी इससे नागरिकों में निराशा का माहौल है।

## 5वीं एवं 8वीं की वार्षिक परीक्षा 20 फरवरी से प्रारंभ

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार जिले में कक्षा 5वीं एवं 8वीं की बोर्ड पैटर्न पर वार्षिक परीक्षाएं 20 फरवरी से प्रारंभ होकर 28 फरवरी 2026 तक संचालित की जाएंगी परीक्षा हेतु समस्त दिशा-निर्देश एवं समय-सारणी जारी कर दी गई है एपीसी अकादमिक विष्णु पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण

कर ली गई हैं। प्रश्न पत्रों का वितरण गोपनीय रूप से जिले के 64 जन शिक्षा केंद्रों में कर दिया गया है तथा उन्हें जनशिक्षा केंद्र प्रभारियों की अभिरक्षा में सुरक्षित संभारित किया गया है जनशिक्षा केंद्र प्रभारी द्वारा संबंधित केंद्राध्यक्षों को प्रत्येक परीक्षा दिवस प्रश्न पत्र के पैकेट उपलब्ध कराए जाएंगे तथा परीक्षा उपरांत पुनः अपनी अभिरक्षा में सुरक्षित रखे जाएंगे।

## एआई क्रांति की चुनौतियां

एआई अकल्पनीय संभावनाओं वाली नई तकनीक है, जो निरंतर उन्नत हो रही है, पर उसके दुरुपयोग के खतरे भी हैं। इसलिए सरकार को अपने लोगों और विशेष रूप से छात्रों को एआई की विशेषताओं एवं जटिलताओं से परिचित करना आवश्यक है। यह सही समय है कि शिक्षा संस्थानों में एआई के पठन-पाठन पर विशेष ध्यान दिया जाए। जब एआई इंपैक्ट समिट के कारण भारत देश-दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना हुआ

है, तब यह अच्छा नहीं हुआ कि इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के एकसपा में एक निजी यूनिवर्सिटी ने चीनी रोबोटिक डग को अपना बताकर प्रस्तुत कर दिया। देश को असहज करने वाली गलगोटिया यूनिवर्सिटी को एक्सपो से बाहर का रास्ता दिखाकर बिल्कुल सही किया गया।

यह स्वाभाविक है कि विदेशी मीडिया माध्यम इस प्रकरण को तुल देने में जुट गए, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि अपने ढंग के

विशिष्ट इस वैश्विक सम्मेलन की महत्ता को अनदेखा कर दिया जाए। इतना अवश्य है कि उक्त प्रकरण से भारत

सरकार को चेत जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एआई

तकनीक विकसित करने के नाम पर नकल न होने पाए और न ही इस क्षेत्र की कंपनियों विदेशी कंपनियों पर आश्रित होने पाएं।

आज जब दुनिया एआई क्रांति के मुहाने पर है एवं भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे

सक्षम शक्ति बनने की तैयारी कर रहा है और इसी कारण

दिलचस्पी लेने के साथ भारी निवेश भी कर रही है, तब फिर सरकार को एआई क्रांति की चुनौतियों से सावधान रहने के साथ उससे

उत्पन्न हो रहे अवसरों को भुनाने के लिए कोई ठोस रूपरेखा बनानी चाहिए। यह ठीक है कि सरकार की ओर से एआई के उपयोग और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में बताया जा रहा है, लेकिन उसे कैसे, किन क्षेत्रों में और किस सावधानी के साथ अमल में लाना है, इसका खाका बनाने का काम टेक्नोक्रेट को करना चाहिए, ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग से लेकर शासन-प्रशासन में इस तकनीक के उपयोग को लेकर पूरी तरह

स्पष्टता रहे। एआई क्षेत्र की भारतीय कंपनियों को इस तथ्य से परिचित होना आवश्यक है कि धार्मिक एवं सामाजिक विविधता और आर्थिक विषमताओं के कारण उन्हें एआई टूल्स अलग तरह से विकसित करने होंगे। इस तकनीक का न केवल भारतीयकरण होना चाहिए, बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रभुत्व से मुक्त भी होना चाहिए। ऐसा होने पर ही एआई सर्वजन हिताय और बहुजन सुखाय के मंत्र को सिद्ध कर सकेगी।

### संपादकीय

## आत्म-साक्षात्कार व शब्द का महत्व

रंजय गौरवामी

अपने शुद्ध आत्म स्वरूप को पहचान कर जगत के बंधन को तोड़ कर चेतन लोक को गमन करो। शरीर के अंदर मुलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुरक आदि आठ चक्रों का शोधन करते हुए उनका ज्ञान करते हुए ब्रह्मांड में जाओ जहां पर पंच शून्य स्थानों में जगमग प्रकाश हो रहा है। चाचरी भूचरी अगोजरी मुद्रा त्याग कर खेचरी उनमनी से पार अपनी चेतना को दशम द्वारा से उर्ध्व की ओर ले जाओ। यह मन को शांत और स्थिर रखने के साथ-साथ तनाव से राहत दिलाने में भी अच्छा है। आंखें मजबूत हो जाती हैं और आत्मनिरीक्षण की क्षमता उत्पन्न होती है। मूलाधार चक्र का जगमग और संतुलन करना है। पंच ब्रह्मांडीय शब्द निरंजन, ओम सोम शक्ति ररकार को त्याग कर सत्य शब्द परम प्रभु को चेतन प्रदेश में प्रत्यक्ष देखो। तुम्हारे शरीर में दशम द्वारा जो बंद पड़ा है उसे गुरु विधान से तुम खोलकर मकर खेरी जो प्रभु से तुम्हारी आत्मा तक लगी है को पकड़ लो तत्पश्चात प्रभु के दिव्य प्रकाश को वहां पहुंच कर देखो उस परमात्मा के स्वरूप का वर्णन मैं क्या करू। उसके दिव्य चेतन प्रकाश में असंख्य सूर्य का प्रकाश लज्जित हो जाता है उस प्रभु को प्राप्त करने पर संसार के त्रयताप छूट जाते हैं। और आत्मा सारे बंधनों को छोड़ कर शास्वत आनंद प्राप्त करता है। सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज कहते हैं। इस दुर्लभ रहस्य पूर्ण गोपनीय चेतन साधन को करोड़ों मनुष्य में कोई एक जौहरी पारखी भाग्यशाली व्यक्ति प्राप्त करता है आत्म-बोध या चेतना है। यह केवल जानकारी नहीं, बल्कि खुद को और वास्तविकता को गहराई से जानने का अनुभव है। इसके अलावा, ज्ञान, विवेक, और बोध स्वयं भी ज्ञान के बोध के लिए महत्वपूर्ण शब्द हैं, जो समझने की क्षमता को दर्शाते हैं। विवेक: यह सही और गलत के बीच अंतर करने की क्षमता है। बोध: यह इंद्रिय और अनुभव से प्राप्त ज्ञान का बोध कराता है। चेतना: यह मानसिक जागरूकता और ज्ञान को ग्रहण करने की क्षमता है। विवेक: यह सही और गलत के बीच अंतर करने की क्षमता प्रदान करता है। अनुभव : यह ज्ञान प्राप्ति का एक प्रमुख स्रोत है, जो प्रत्यक्ष ज्ञान की पुष्टि करता है। प्रमुख कारण और विवरण: विभिन्न शब्दकोश: शब्दों की उत्पत्ति के आधार पर उन्हें तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी जैसे विभिन्न वर्गों में बांटा जाता है, जिससे उनकी विविधता बनी रहती है भावनात्मक और संदर्भगत अंतर: अलग-अलग शब्दों के माध्यम से व्यक्ति विभिन्न भावनाओं और संदर्भों को व्यक्त करता है, जिससे अर्थ में सूक्ष्म अंतर आ जाता है। अनेकार्थक और समानार्थक शब्द: हिंदी में कुछ शब्द एक समान लिखे/बोले जाते हैं लेकिन उनके अर्थ बिल्कुल अलग हो सकते हैं (अनेकार्थक), या उच्चारण समान होने पर भी अर्थ में भिन्नता हो सकती है (समरूपी शब्द)। वाक्य रचना में भिन्नता: बोलचाल या लेखन में लोग अपनी भावनाओं के अनुसार शब्दों का चयन और प्रयोग करते हैं, जो उनके विचारों को अद्वितीय बनाते हैं। ज्ञानवर्धक वचनों या सद्गुरु के वचनों) से जीवन में आत्मज्ञान (स्वयं की पहचान, सत्य और अपनी शक्तियों का बोध) प्राप्त होता है। यह ज्ञान न केवल मानसिक शांति, आत्म-विकास और जीवन के उद्देश्य को समझने में मदद करता है, बल्कि संसार के नश्वर स्वरूप (परिवर्तन ही नियम है) से परिचय कराकर मन में संतुलन और स्थिरता लाता है। आत्मज्ञान के संदर्भ में मुख्य बातें: शब्दों का महत्व: अक्सर किसी ज्ञानी व्यक्ति के शब्द या उपदेश व्यक्ति को भीतर की ओर देखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे स्वयं का अनुभव और विश्वास बढ़ता है। आत्म-साक्षात्कार की प्रक्रिया: यह एक गहरी समझ है जिसमें यह पता चलता है कि हम कौन हैं, हमारा मूल क्या है और हमारे दुखों या सुखों का कारण क्या है। दृष्टिकोण में बदलाव: आत्मज्ञानी व्यक्ति संसार के सुख-दुख, मान-अपमान से प्रभावित नहीं होते, वे अत्यंत साधारण जीवन जीते हैं और संतोष का अनुभव करते हैं। परिणाम: जब शब्दों का प्रभाव गहरा होता है, तो व्यक्ति का अहंकार कम होता है और वह अपने वास्तविक स्वरूप को जानकर मोह-माया से मुक्त हो जाता है। हिन्दू समाज में मान्यता है कि वेद में भगवान राम का वर्णन है जिसके नाम पर अनेक पौराणिक कथाओं का सृजन हुआ है। उन्हीं राम की पूजा-उपासना वैदिक काल से आज तक चली आती है।



इनदिनों एस्पटीन फ्राइल्स का भूत अमेरिका से लेकर भारत तक सड़कों पर नाच रहा है। अमेरिकी कांग्रेस के कानून के अन्तर्गत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हस्ताक्षर के बाद ही अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा यह फ्राइल्स जारी की गई हैं। इस आदेश के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को एस्पटीन से जुड़े सभी अनक्लासिफाइड रिकॉर्ड्स, दस्तावेज, कम्प्यूटिकेशन्स और जांच सामग्री सार्वजनिक करने का निर्देश प्राप्त है। हालांकि यह कानून 2025 में कांग्रेस के दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) से लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था, और राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए थे।

# एस्पटीन फाइल्स: यही है शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत

निरमल रानी

इसी कानून के तहत अमेरिकी न्याय विभाग ने समय-समय पर फ्राइल्स जारी की। परन्तु इन फ्राइल्स का बड़ा हिस्सा गत 30 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें 3.5 मिलियन से ज्यादा पृष्ठ, 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1,80,000 फोटो शामिल थे। एस्पटीन फाइल्स के इसी खुलासे के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। दुनिया के जाने माने लोगों के चेहरे से नकाब हटने लगी। इन फाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद एस्पटीन के यौन अपराधों, ट्रैफिकिंग नेटवर्क और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ उनके संबंधों की गहराई उजागर हुई। गौरतलब है कि जेफरी एस्पटीन, एक अमीर फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी है। इसने अनेक नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शोषण किया, और इन फाइल्स में राजनीतिक, व्यापारिक और सामाजिक हस्तियों के कई नाम सामने आए। इन खुलासों के बाद कई प्रमुख व्यक्तियों का भविष्य व जीवन प्रभावित हुआ। कई लोगों को इस्तीफे देने पड़े तो कई के विरुद्ध जांच बिठई गयी। आपना नाम आने पर कई लोग शर्मिंदगी से जहाँ मुंह छुपाते घूम रहे हैं यहाँ तक कि इस नेटवर्क में नाम आने के बाद कई लोग भूमिगत हो चुके हैं और मीडिया से मुंह छुपाते फिर रहे हैं। वहीं भारत में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी जैसे विशिष्ट भी हैं जो

एस्पटीन फाइल्स के खुलासे के अनुसार तो जेफरी एस्पटीन से 14 बार मिले परन्तु वे स्वयं एस्पटीन से 8 सालों में केवल 3-4 बार की मुलाकात को ही स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद वह इस सवाल से बच नहीं पा रहे कि 13-14 बार या 3-4 बार नहीं बल्कि यदि एक सजायापुता बदनाम यौन अपराधी से हरदीप पुरी एक बार भी मिले तो उस मुलाकात की वजह क्या थी ? जो व्यक्ति खुद स्वीकार कर चुका है कि वह कम उम्र की बच्चियों से सेक्स करने का आदी था ऐसे भेड़िया मानसिकता वाले व्यक्ति से मुलाकात क्यों की गयी ? किसके कहने पर या किसके लिये की गयी ? बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अभी दुनिया के और भी अनेकानेक स्फेदपाश भेड़ियों के नाम सामने आएं और इस्तीफों की भी झड़ी लग सकती है। दुनिया में आये दिन घटित होने वाली तमाम घटनाएं ऐसी हैं जो पितृ सत्ता या पुरुष प्रधान समाज का बार बार उद्घाटन कराती हैं। परन्तु इस घटना में तो जेफरी एस्पटीन पर 2019 में न्यूयॉर्क में संवीय अदालत ने उसपर सेक्स ट्रैफिकिंग ऑफ माइनर्स के आरोप लगाए, जिसमें दर्जनों नाबालिग लड़कियों यहाँ तक कि 14 साल से भी कम उम्र की कुछ बच्चियों का यौन शोषण शामिल था। यह उसकी स्वीकारोक्ति थी कि उसने नाबालिग लड़कियों से यौन संबंध बनाये व अवैध काम किए। इसलिये इस विश्वव्यापी

नेटवर्क से पर्दा उठने के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि दुनिया के धनाढ्य और शक्तिशाली लोगों की नजर में महिलाओं, खासकर छोटी बच्चियों का क्या स्थान है ? महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का ढोंग रचने वाला स्फेद पोश पुरुष प्रधान समाज जो कभी महिलाओं को आधी आबादी कहकर खुश करता है तो कभी बच्चियों को कंजक व देवी के रूप में पूजता भी है उन्हीं बच्चियों को अपने पैसे व सत्ता के बल पर अपनी हवस का निशाना बनाने वाले लोग नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शारीरिक शोषण भी करते हैं ? निश्चित रूप से एस्पटीन फाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहाँ धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में आधी आबादी को प्रायः सहयोगी, या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। खासकर गरीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमजोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एस्पटीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को उधार के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे। यह दर्शाता है कि शक्तिशाली लोगों की नजर में, महिलाएं और लड़कियां अक्सर सत्ता और प्रभाव बनाए रखने का साधन

बन जाती हैं न कि कोई सम्मानजनक मानव। महिलाओं को केवल प्रजनन उपकरण के रूप में देखना भी पितृसत्ता की ही एक गहरी साजिश है। इसलिये एस्पटीन फाइल्स से प्राप्त हो रहे व्यौरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि एस्पटीन जैसे मामलों में जहाँ कुछ शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा छोटी मासूम बच्चियों को मात्र अपनी यौन संतुष्टि के लिये या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संबादबाजी के साधन के रूप में अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति को ब्लैकमेल करने की गरज से इस्तेमाल किया गया। यह एक ऐसी व्यवस्थित समस्या है जहाँ धन, सत्ता के बल पर और जवाबदेही की कमी से ऐसी संस्कृति पनपती है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह वैश्विक अपराध नेटवर्क का हिस्सा है, जहाँ महिलाओं और लड़कियों का वस्तुकरण नस्लवाद और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। हालांकि, सन्नद्ध की जांच में ट्रैफिकिंग रिंग के लिए पर्याप्त सबूत भले ही नहीं मिले परन्तु पीड़ितों की गवाहियां बताती हैं कि यह शोषण अत्यंत व्यापक था। ये फाइल्स यह भी दिखाती हैं कि सत्ता के शीर्ष पर मिसोगिनी (स्त्री-द्वेष) और यौन हिंसा कैसे सामान्यीकृत हो जाती है। यह एक ऐसी विकृत पुरुष प्रधान व्यवस्था का प्रतिबिम्ब भी है जहाँ पीड़ितों को न्याय मिलना मुश्किल रहता है। एस्पटीन फाइल्स ऐसे ही शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत को उजागर करती है।

## मध्यप्रदेश के कर्ज का मर्ज : विकास, दबाव और भविष्य की राह

भूपेन्द्र गुप्ता

किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत को समझने के लिए उसके कर्ज और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुपात को एक अहम पैमाना माना जाता है। मध्यप्रदेश भी पिछले दो दशकों में कर्ज के उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा है। आज जब राज्य का कुल कर्ज लगभग पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक के स्तर पर पहुँच चुका है, तब यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या यह कर्ज विकास का साधन है या वित्तीय दबाव का संकेत।

साल 2003-04 के आसपास मध्यप्रदेश की स्थिति अपेक्षाकृत कठिन मानी जाती थी। उस समय राज्य का ऋण-जीडीपी अनुपात लगभग 36 प्रतिशत के आसपास था। सीमित राजस्व, अधिक ब्याज भुगतान और आर्थिक वृद्धि की धीमी गति के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति पर दबाव था। शुरुआती दशक में राज्य को वित्तीय अनुशासन लागू करने और राजकोषीय सुधारों की जरूरत महसूस हुई। इसके बाद राजकोषीय उत्तरदायित्व कानून (सन्नद्ध) और बेहतर वित्तीय प्रबंधन के मर्ममोहन सरकार के प्रयासों ने धीरे-धीरे अस्तर दिखाया।

2005 से 2020 के बीच का समय मध्यप्रदेश के लिए अपेक्षाकृत संतुलन का दौर कहा जा सकता है। इस अवधि में राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी और जीएसडीपी का आकार बढ़ा हुआ। परिणामस्वरूप ऋण-जीडीपी अनुपात कमलनाथ सरकार में घटकर 2020 लगभग 25 प्रतिशत के आसपास आ गया, जो वित्तीय दृष्टि से अपेक्षाकृत सुरक्षित स्तर माना जाता है। यह गिरावट इस बात का संकेत थी कि आर्थिक वृद्धि की गति कर्ज की वृद्धि से अधिक रही। उस समय राज्य की वित्तीय स्थिति को सुधार की दिशा में माना गया।

हालांकि कोविड-19 महामारी के बाद आर्थिक परिदृश्य बदल गया। स्वास्थ्य खर्च, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, बुनियादी ढाँचे पर निवेश और बिजली क्षेत्र से जुड़ी देनदारियों ने राज्य के कुल कर्ज को तेजी से बढ़ाया। हालिया अनुमानों के अनुसार मध्यप्रदेश का कुल कर्ज करीब 5.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है और ऋण-जीडीपी अनुपात लगभग 30-31 प्रतिशत के आसपास माना जा रहा है। यह स्तर 2004 के मुकाबले कम जरूर है, लेकिन 2020 की तुलना में अधिक है। यानी राज्य फिर से मध्यम स्तर के कर्ज दबाव की

ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। कर्ज को हमेशा नकारात्मक नजरिए से देखना सही नहीं होता। यदि उधार लेकर सड़कों, सिंचाई, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निवेश किया जाए तो यह भविष्य की आर्थिक वृद्धि का आधार बन सकता है। मध्यप्रदेश में पिछले वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक योजनाओं पर खर्च बढ़ा है, जिससे विकास की संभावनाएँ मजबूत होती हैं। लेकिन दूसरी ओर, बढ़ता कर्ज ब्याज भुगतान का बोझ भी बढ़ाता है। बजट का एक बड़ा हिस्सा यदि सिर्फ पुराने कर्ज की अदायगी में चला जाए तो नए विकास कार्यों के लिए संसाधन सीमित हो जाते हैं। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो मध्यप्रदेश की स्थिति कुछ अत्यधिक कर्जग्रस्त राज्यों से बेहतर है, फिर भी महाराष्ट्र या कर्नाटक जैसे अपेक्षाकृत कम कर्ज वाले राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश की स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण कही जा सकती है। इसका अर्थ यह है कि राज्य को संतुलित वित्तीय रणनीति अपनाने की जरूरत है, ताकि विकास भी जारी रहे और कर्ज का बोझ अनिश्चित न हो। भविष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि राज्य अपने राजस्व स्रोतों को मजबूत करे।

## सामाजिक न्याय दिवस: न्याय बने विकास की कसौटी

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना न्यायपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। 20 फरवरी को मनाया जाने वाला सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। इस दिवस की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता

योगेश कुमार गोयल

(सामाजिक न्याय का विश्व दिवस (20 फरवरी) पर विशेष)

यह एक चैतावनी भी है कि बढ़ती असमानताएँ समाज की नींव को भीतर से कमजोर कर रही हैं और साथ ही एक अवसर भी है कि समय रहते ठोस नीतियों, संवेदनशील शासन और सामूहिक प्रयासों से इस प्रवृत्ति को बदला जा सकता है।

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनाना: सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों को आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा।

यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण,



तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढाँचों को तेजी से बदला है। इन बदलावों का लाभ जहाँ कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएँ, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय, और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल नैतिक आदर्श नहीं, नीति और शासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है। सामाजिक न्याय की अवधारणा अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी है। इसका मतलब यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिलें बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर उपलब्ध हो। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति,

लिंग, धर्म, जन्मस्थान या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तब यह स्पष्ट संकेत होता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर संकेत खड़े कर दिए हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता सामने आती है। पेशा, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएँ केवल कल्याणकारी योजनाएँ नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता और भरोसे की आधारशिला हैं।

भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है जबकि मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। स्वतंत्रता के बाद सामाजिक न्याय और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश तथा कोशल विकास और सामाजिक

सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। बावजूद इसके, क्षेत्रीय असमानताएँ, शहरी-ग्रामीण विभाजन, डिजिटल डिवाइड और लैंगिक विषमता जैसी चुनौतियां आज भी बनी हुई हैं।

सामाजिक न्याय का विश्व दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि क्या हमारी नीतियां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, क्या शिक्षा और रोजगार के अवसर वास्तव में समान हैं, और क्या विकास का लाभ संतुलित रूप से बंट रहा है? यह दिवस यह भी याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई किसी एक देश या सरकार की नहीं बल्कि वैश्विक सहयोग और सामूहिक प्रयास की मांग करती है। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस 2026 इस सत्य को दोहराता है कि सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब कोई भी पीछे न छूटे। समावेशन और सशक्तिकरण केवल शब्द नहीं बल्कि रोजगार के निर्णयों, नीतियों और सामाजिक व्यवहारों में उतारने योग्य जिम्मेदारी हैं। जब हर व्यक्ति को समान गरिमा, अवसर और सुरक्षा मिलती है, तभी न्याय कागजों से निकलकर जीवन की वास्तविकता बनता है और एक अधिक मानवीय, समावेशी तथा न्यायपूर्ण विश्व का निर्माण संभव हो पाता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

# सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर में मलेरिया व टीबी उन्मूलन हेतु दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में ब्लॉक भरतपुर अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर के सभाकक्ष में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया प्रशिक्षण का उद्देश्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना तथा मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़ एवं परिवर्णमो-सुखी बनाना रहा। कार्यशाला में स्वास्थ्य अमले को रोग नियंत्रण रोकथाम और उपचार से जुड़ी अद्यतन तकनीकी जानकारी प्रदान की गई प्रथम दिवस रूग्णों के रूप में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. नम्रता चक्रवर्ती एवं जिला मलेरिया कंसल्टेंट संजीत सिंह ने लक्षणों की शीघ्र पहचान समयबद्ध जांच एवं



पहले 18 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत विशेष सत्र आयोजित किया गया जिला क्षय अधिकारी डॉ. सुधांशु पटेल एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक संतोष सिंह ने टीबी की समय पर पहचान उपचार की

दवाओं के समुचित उपयोग तथा फोल्ड स्तर पर आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी उन्होंने कहा कि सामुदायिक सहभागिता और त्वरित उपचार से इन रोगों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है द्वितीय दिवस रूग्णों को टीबी की

निरंतरता मरीजों की नियमित ट्रेकिंग तथा निष्पक्ष पोषण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए स्वास्थ्य कर्मियों की सतर्कता और सतत फॉलोअप अत्यंत आवश्यक है गरिमामयी



उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता प्रशिक्षण में खंड चिकित्सा अधिकारी डा. आर.के. रमनए. बीपीएम सुलेमान खान मलेरिया एवं टीबी प्रभारी ग्य सिंह श्याम तथा बीईटीओ आर.पी. सोनवंशी की उपस्थिति रही।

## जल जीवन मिशन बना जीवन रेखा खेतौली के तेजमान सिंह का नया सवेरा



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ने ग्राम पंचायत खेतौली, विकासखंड भरतपुर, के ग्रामीण जीवन में नई उम्मीद और आत्मनिर्भरता का संचार किया है हर घर नल से जल के संकल्प ने गांव के निवासी तेजमान सिंह के जीवन को नई दिशा दी है तेजमान सिंह बताते हैं कि पहले स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल के लिए उन्हें प्रतिदिन लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी कुएं और हैंडपंप से पानी लाने में समय और श्रम दोनों की अत्यधिक खपत होती थी दूषित पानी के कारण परिवार को कई बार बीमारियों का सामना भी करना पड़ता था जिससे दैनिक जीवन और आजीविका प्रभावित होती थी लेकिन जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के बाद अब

उन्के घर तक नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य में भी उल्लेखनीय सुधार आया है विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को बड़ी राहत मिली है अब वे पानी लाने में समय गंवाने के बजाय शिक्षा और अन्य कार्यों पर ध्यान दे पा रहे हैं तेजमान सिंह ने इस परिवर्तन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बना रही है और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की नींव रख रही है तेजमान सिंह की कहानी यह दर्शाती है कि जल जीवन मिशन केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम है जो हर घर तक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

## स्वास्थ्य पंचायत जनसंवाद सम्मेलन: मजबूत करने और समस्याओं के समाधान पर रहा फोकस



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जनस्वास्थ्य को मजबूत करने और आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य पंचायत जनसंवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया सम्मेलन के दौरान लोगों ने इलाज, दवाइयों की उपलब्धता, अस्पताल में सुविधाएं, डॉक्टरों की उपस्थिति, जांच व्यवस्था, एम्बुलेंस सेवा, गर्भवती महिलाओं की देखभाल जैसे विषयों पर अपनी समस्याएं और सुझाव रखे इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि शासन की योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को बेहतर स्वास्थ्य

सेवाएं देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार वृद्धि होने की जानकारी दी टीकाकरण और आयुष्मान योजना पर किया जागरूक डॉ. खरे ने टीकाकरण, मातृ शिशु स्वास्थ्य, आयुष्मान भारत योजना, स्वास्थ्य जांच शिविर, पोषण अभियान जैसी योजनाओं की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया जिला समन्वयक की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया जिला समन्वयक रेखा शिवहरे ने बताया कि जिले में 126 ग्राम सभा समितियां गठित हैं इन समितियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्ययोजना बनाई जाती है, जिसे उच्च अधिकारियों तक भेजा जाता है

## दामोदर का नरोत्तम मिश्रा पर तंज:पूर्व गृह मंत्री को बताया 'तीसरा बाबा' 11 मार्च को डबरा से ग्वालियर तक निकालेंगे पैदल मार्च

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। संकल्प यात्रा के दौरान आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर यादव ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर भाजपा पर तीखा हमला बोला है उन्होंने पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को 'तीसरा बाबा' बताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा धर्म की राजनीति के बाद अब जातिगत विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी मांगों को लेकर 11 मार्च को डबरा से ग्वालियर तक एक लाख लोगों के पैदल मार्च का ऐलान किया है प्रेस वार्ता के दौरान आजाद समाज पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे दामोदर यादव ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर भी सवाल उठाए उन्होंने कहा कि गुना विधायक पन्ना लाल शाक्य को महत्व नहीं दिया जा रहा है, जबकि सिंधिया के करीबी महेंद्र



सिंह सिसोदिया को प्रशासनिक बैठकों में प्राथमिकता मिल रही है यादव ने दावा किया कि सिसोदिया की बैठकों में कलेक्टर और एसपी मौजूद रहते हैं जबकि जनता द्वारा चुने गए विधायक को सम्मान नहीं मिल रहा है इस दौरान उन्होंने विधायक पन्ना लाल शाक्य को आजाद समाज पार्टी में शामिल होने का निर्मंत्रण भी दिया यादव ने बताया कि सम्मान और

कथावाचकों को बताया 'पाखंड की दुकान' अपनी चुनावी पराजयों पर प्रतिक्रिया देते हुए यादव ने कहा कि जो लोग व्यवस्था को गलत परंपराओं का विरोध करते हैं, वे अक्सर चुनाव हारते हैं उन्होंने कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और पंडित प्रदीप मिश्रा पर भी निशाना साधा यादव ने उन्हें 'पाखंड की दुकान' चलाने वाला बताया और कहा कि इन दुकानों को बंद कराया जाएगा बागेश्वर धाम में आयोजित विवाह सम्मेलन का जिम्मेदार ठहरे उन्होंने कहा कि दिखावे के कार्यों से समाज का भला नहीं होता है पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि 'एक और बाबा पैदा हो गया है जिसकी दुकान भी बंद कराई जाएगी' उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धरती बाबा साहब की विचारधारा की है और इसे किसी भी कीमत पर आडंबर व पाखंड की धरती नहीं बनने दिया जाएगा।

## अगले महीने देवकीनंदन ठाकुर की कथा: योगी आदित्यनाथ और डॉ. मोहन यादव भी होंगे शामिल



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। 19 से 25 मार्च तक विश्वविख्यात कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर की श्रीमद् भागवत कथा और 1000 सहस्र चंडी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भी शामिल होने की संभावना है इस भव्य आध्यात्मिक आयोजन की घोषणा श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी नीलमणि दास जी महाराज (खेड़पति दरवार) ने एक प्रेस वार्ता में की। यह कार्यक्रम झांसी रोड स्थित हवाई पट्टी के पीछे

नर्सरी ग्राउंड पर होगा आयोजन में देवकीनंदन ठाकुर प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का वाचन करेंगे इसके बाद रात 8 बजे से 11 बजे तक भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु भक्ति संगीत का आनंद ले सकेंगे आयोजकों ने हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने का दावा किया है प्रेस वार्ता में बताया गया कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी कार्यक्रम में उपस्थित रह सकते हैं इसके अतिरिक्त, देशभर से कई संत-महात्मा और धर्माचार्य भी आयोजन में पहुंचकर श्रद्धालुओं को आशीर्चन देंगे।

## कलेक्ट्रेट घेरने निकले कांग्रेसियों की पुलिस से झूमाझटकी: मनरेगा बचाव संग्राम में शक्ति-प्रदर्शन, विजय बोले-गांधी नाम से डरती है सरकार

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। केंद्र सरकार की तरफ से मनरेगा का नाम बदलने और एक्ट बनाने के विरोध में एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और कांग्रेस ने आज बिलासपुर में प्रदर्शन किया। मनरेगा बचाव संग्राम नाम से नेहरू चौक पर सभा की फिर शक्ति प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट का घेराव निकल गए जिन्हें पुलिस ने स्टेट बैंक ब्रांच के पास सड़क पर बैरिकेड लगाकर रोकने की कोशिश की लेकिन कांग्रेसियों ने ब्रीच जमकर झड़प और झूमझटकी हुई। हालांकि, कलेक्ट्रेट घेरने में कांग्रेसी नुकसान रहे जिला प्रशासन के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर कहा कि, मांगे पूरी नहीं होगी तो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन जारी रहेगा।



सरकार गांधी नाम से डरती है पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी ने कहा कि, बीजेपी सरकार गांधी के नाम से डरती है चाहे वह महात्मा गांधी हों, राजीव गांधी हों, इंदिरा गांधी हों या राहुल गांधी हों उन्हें रोकने की कोशिश हुई जब इस देश में बीजेपी गांधी को रोकने की कोशिश करेगी, तब तक नाथूराम गोडसे को विचारधारा नहीं चलने वाली है कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि, केंद्र सरकार मनरेगा योजना को कमजोर कर रही है उसकी जगह नया काला कानून

लागू किया गया है इस फैसले से ग्रामीण मजदूरों को सीधा नुकसान हो रहा है नेताओं ने मांग की कि कथित काला कानून को तत्काल हटाया जाए देश में पहले की तरह मनरेगा व्यवस्था को मजबूत किया जाए मीडिया से चर्चा के दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि, मनरेगा ग्रामीण परिवारों की आजीविका का बड़ा सहारा है। यदि यह व्यवस्था कमजोर होती है, तो मजदूरों को दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है इससे छोटे-छोटे बच्चों की पढ़ाई भी

प्रभावित होती है और बेरोजगारी की समस्या बढ़ती है प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई कांग्रेस नेताओं ने कहा कि, वे गरीब और मजदूर वर्ग के अधिकारों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ते रहेंगे कार्यक्रम में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी देखने को मिली वहीं, बिलासपुर अपर कलेक्टर शिव बनर्जी का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान कोई भी ऐसी स्थिति नहीं बनी है, जिससे कानून व्यवस्था बिगड़े कांग्रेस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया आगे की परिस्थिति के हिसाब से कार्रवाई की जाएगी प्रदर्शन के बाद ट्रैफिक जाम की स्थिति इसका अलावा, प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता एक साथ अपने-अपने घरों की ओर निकलने लगे जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई।

## टीला गांव में गाय का शिकार:खेत पर मिले तेंदुए के पदचिन्ह, ग्रामीणों में दहशत



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस थाना क्षेत्र के टीला गांव में एक खेत पर मृत गाय मिलने से हड़कंप मच गया है आशंका जताई जा रही है कि किसी जंगली जानवर, संभवतः तेंदुए ने गाय का शिकार किया है मौके पर मिले पदचिन्हों ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है खेत मालिक भुवनेश दुबे ने बताया कि उनका खेत गांव से सटा हुआ है सुबह जब वे खेत पर पहुंचे तो एक गाय मृत अवस्था में मिली इसके शरीर के मांस के टुकड़े अलग-अलग दिशाओं में बिखरे हुए थे, जिससे किसी हिंसक जानवर के हमले का संकेत मिलता है मृत गाय के आसपास कई स्थानों पर बड़े आकार के

पंजों के निशान भी पाए गए हैं फोटो मिलान के आधार पर ये पदचिन्ह तेंदुए के प्रतीत हो रहे हैं हालांकि, अब तक किसी ग्रामीण ने तेंदुए को प्रत्यक्ष रूप से नहीं देखा है ग्रामीणों का मानना है कि जंगल क्षेत्र से निकलकर तेंदुआ खेतों तक पहुंचा और उसने गाय का शिकार किया इस घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है लोग अपने बच्चों और मवेशियों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरत रहे हैं ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच करने, पदचिन्हों की पुष्टि करने और गांव में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि किसी बड़ी घटना से पहले ही आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

## ऑनलाइन टास्क के नाम पर 4.32 लाख की ठगी:टेलीग्राम-व्हाट्सएप ग्रुप से युवक को फंसाया,

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। फिजिकल थाना क्षेत्र में ऑनलाइन टास्क के नाम पर एक युवक से 4 लाख 32 हजार 733 रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है शक्ति कॉलोनी गृजर ताल निवासी विवेक कुमार जैन ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। फिजिकल थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है विवेक जैन ने पुलिस को बताया कि 21 जनवरी 2026 को उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़

गया था इस ग्रुप में टेलीग्राम ऐप के माध्यम से ऑनलाइन व्यवसाय कर टास्क पूरे करने और राशि कमाने का प्रस्ताव दिया गया। प्रारंभिक टास्क पूरे करने पर विवेक जैन को 1430 रुपए और 4690 रुपए का भुगतान किया गया उनके आईसीआईआई बैंक खाते में 5000 रुपए भी प्राप्त हुए, जिससे उन्हें आरोपियों पर विश्वास हो गया विश्वास जीतने के बाद, आरोपियों ने नए टास्क देने से पहले रकम जमा कराने को कहा।

# 20 लाख का शराब बनाने वाला सामान नष्ट:शिवपुरी में 19 हजार किलो लहान 120 लीटर कच्ची शराब फेंकी

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। करैरा क्षेत्र में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान भारी मात्रा में गुड़ लहान और कच्ची शराब जब्त की गई यह कार्रवाई कलेक्टर रविंद्र चौधरी और उपायुक्त आबकारी सहायक उदंडनस्ता ग्वालियर संदीप शर्मा के निर्देशन में हुई जिला आबकारी अधिकारी शुभम दामोदर के नेतृत्व में वृत्त करैरा प्रभारी गौरव कुमार कोल



की टीम ने फतेहपुर कंजर डेरा,

गधई चौराहा और न्यू अमोला

सहित कई ठिकानों पर दबिश दी

इस दौरान अवैध रूप से संचालित भंडारियों को तोड़ा गया और मौके पर तैयार की जा रही कच्ची शराब जब्त की गई छापामार कार्रवाई में लगभग 19,000 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया गया। नियमानुसार संपल लेने के बाद शेष सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया इसके अतिरिक्त, 120 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब, टंकियां, ड्रम और शराब बनाने में उपयोग होने वाले अन्य उपकरण

भी जब्त किए गए। जब और नष्ट की गई सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई गई है आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 10 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए हैं। विभाग ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, और यह कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

## ऑपरेशन शुद्धि का महाब्लास्ट, 30 करोड़ की एमडी जब्त

अंतर्राज्यीय ड्रग्स सिंडिकेट ध्वस्त



मीडिया ऑडिटर, राजगढ़ (निप्र)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में नशे के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान ऑपरेशन शुद्धि के तहत थाना माचलपुर पुलिस ने ऐसी कार्रवाई की अंजाम दिया है, जिसने अंतर्राज्यीय ड्रग्स तस्करो को कमर तोड़ दी। 4 फरवरी से 11 फरवरी

2026 के बीच चली सिलसिलेवार और रणनीतिक दबिशों में पुलिस ने एमडी ड्रग्स निर्माण और सफाई करने वाले बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया। गिरोह के सरगना समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर 21.510 किलोग्राम तैयार एमडी ड्रग्स और 309 किलोग्राम से अधिक रॉ मटेरियल

जब्त किया गया है। कुल जब्त की अनुमानित कीमत करीब 30 करोड़ रुपये आंकी गई है। पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे एवं एमडीओपी खिलचिपुर डी.वी.एस. नागर के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई।

4 फरवरी- अवैध फैक्ट्री का खुलासा: राजस्थान के झालावाड़ से मिली सूचना पर ग्राम गोधतपुर में दबिश दी गई। यहां आरोपी रघुनंदन पाटीदार एमडी ड्रग्स का अवैध निर्माण करता पाया गया। पुलिस पहुंचते ही आरोपी फांचूयूर वाहन (स्कू 3ई0012) छोड़कर फरार हो गया। मौके से 43 किलो रॉ मटेरियल भारी मात्रा में केमिकल और उपकरण जब्त किए गए। इस कार्रवाई में करीब 4 करोड़ रुपये का माल बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट

के तहत मामला दर्ज किया गया। 7 फरवरी- जंगल में छिपाए 266.9 किलो केमिकल बरामद: मुखबि सूचना पर आदमपुरा के जंगल में पांच नीले ड्रम बरामद हुए। इनमें 266.900 किलोग्राम वह केमिकल था जिसका उपयोग एमडी ड्रग्स निर्माण में किया जाता है। अनुमानित कीमत करीब 5 करोड़ रुपये। पुलिस के दबाव में तस्करो ने इसे जंगल में फेंक दिया था। इस मामले में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया।

10 फरवरी- सीसीटीवी से खुली परत, तीन आरोपी गिरफ्तार: जांच के दौरान रामगढ़ की एक दुकान के सीसीटीवी फुटेज में सिल्वर मारुति वैननआर (जुध02एच2543) संदिग्ध हालत में दिखाई दी। वाहन ललित कुमार गुर्जर के नाम पंजीबद्ध पाया गया। पुलिस ने ब्राह्मणगांव क्षेत्र

में घेराबंदी कर कार को रोका और तीन आरोपियों दिनेश गुर्जर, ललित गुर्जर और रामेश्वर गुर्जर को धर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने दीपक गुर्जर का नाम उजागर किया, जिसने ड्रम जंगल में फेंकने को कहा था।

11 फरवरी- 21.510 किलो तैयार एमडी बरामद, सरगना गिरफ्तार: थाना प्रभारी निरीक्षक भागीरथ शाक्य के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम माणा के पास से दीपक गुर्जर (29) को पकड़ा। उसके घर की तलाशी में किचन में रखे कार्टून से 10.160 किलो एमडी ड्रग्स बरामद हुए। उसकी निशानदेही पर रघुनंदन पाटीदार को बरखेड़ा खुर्द (राजस्थान) से हिरासत में लिया गया और सरसों के खेत से 11.350 किलो एमडी ड्रग्स बरामद की गईं। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया।

## खरगोन पुलिस का ऑपरेशन प्रहार: दुर्गम शेडो एरिया में 1.49 करोड़ का अवैध गांजा जब्त



मीडिया ऑडिटर, भोपाल/खरगोन (निप्र)। मध्यप्रदेश में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे सख्त अभियान के तहत खरगोन पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत बड़ी सफलता हासिल की है। दुर्गम और नो-मोबाइल नेटवर्क (शेडो एरिया) क्षेत्र में की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से कुल 5900 गांजे के पौधे जब्त किए हैं। जब्त पौधों का कुल वजन 2979 किलो 840 ग्राम है जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 1 करोड़ 49 लाख 4 हजार 200 रुपये आंकी गई है। पुलिस को 18 फरवरी को मुखबि से सूचना मिली थी कि थाना चैनपुर क्षेत्र की चौकी हेलापखवा अंतर्गत कुछ खेतों में अवैध रूप से गांजे की खेती की जा रही है। सूचना के आधार पर

विशेष टीम गठित कर ग्राम सेन्दीयाघाटी गुवाडा में छापामार कार्रवाई की गई। यहां से 5500 गांजे के पौधे जिनका वजन 2811 किलोग्राम और अनुमानित कीमत लगभग 1 करोड़ 40 लाख 55 हजार रुपये है, जब्त किए गए। इसी क्रम में ग्राम तिखली बूडी पौडी जामली स्थित खेत में की गई दूसरी कार्रवाई में 400 गांजे के पौधे कुल वजन 168 किलो 840 ग्राम

जिसकी कीमत करीब 8 लाख 49 हजार 200 रुपये बताई गई बरामद किए गए। यह पूरी कार्रवाई कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में की गई जहां मोबाइल नेटवर्क तक उपलब्ध नहीं था। पुलिस टीम को कई घंटों तक पैदल चलकर सघन तलाशी अभियान चलाना पड़ा। अधिकारियों के निर्देशन और स्थानीय पुलिस की रणनीतिक योजना के चलते यह सफलता संभव हो सकी।

## रतलाम में मंगलसूत्र झपटने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

एक बदमाश को पति ने दबोचा, पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से पकड़ा दूसरा आरोपी



मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के गंगासागर कॉलोनी में मंगलसूत्र झपटने की घटना सामने आई। यह वारदात सोनाली पति रितेश शर्मा निवासी एमआईजी 40 गंगासागर कॉलोनी के साथ हुई। महिला रात करीब 8.45 बजे अपने पति के साथ कॉलोनी में पैदल टहल रही थी।

पीछे से आए बाइक सवार: शिवजी के मंदिर के सामने टर्न पर पीछे से एक बाइक पर दो युवक आए। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने महिला के गले में पहने सोने के मंगलसूत्र पर झपटा मारा। झटके

से मंगलसूत्र टूट गया और महिला के कपड़ों पर गिर पड़ा।

पति ने दिखाई सतर्कता: महिला के पति थोड़ी दूरी पर आगे चल रहे थे। जैसे ही महिला ने शोर मचाया, पति तुरंत पीछे दौड़े और बाइक सवारों को पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान एक बदमाश को मौके पर ही पकड़ लिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

महिला की रिपोर्ट पर केस दर्ज: महिला की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पकड़े गए संदिग्ध से पूछताछ की

गई और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। जांच के दौरान पुलिस ने अन्य सबूत जुटाए। उसी आधार पर संदिग्ध के एक अन्य साथी को भी हिरासत में लिया गया। पूछताछ में दोनों ने मिलकर झपटमारी की घटना करना स्वीकार किया।

दोनों आरोपी आपस में रिश्तेदार: पुलिस ने आरोपी शिवम उर्फ शिवनारायण (28) पिता तुलसीराम मीणा निवासी बरबड़ और सिकु उर्फ चिकु पिता लक्ष्मण मीणा निवासी ग्राम रुणिया थाना घंटाली जिला प्रतापगढ़ (राजस्थान), हाल मुकाम बरबड़ रतलाम को गिरफ्तार किया है। दोनों आपस में रिश्तेदार हैं और मिलकर वारदात को अंजाम दे रहे थे।

बिना नंबर की बाइक जब्त: औद्योगिक थाने के सब इस्पेक्टर ध्यानसिंह सोलंकी ने बताया कि आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की बाइक भी जब्त की गई है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेजा गया है। पुलिस अन्य मामलों में भी उनकी सलिसता की जांच कर रही है।

## मुरैना में रास्ते से निकलते ही सीने में गोली मारी

मीडिया ऑडिटर, मुरैना (निप्र)। मुरैना में रास्ते के मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। बुधवार सुबह करीब 20 से 25 लोगों ने एक युवक को रास्ते से निकलने की चुनौती दी, जैसे ही वह आगे बढ़ा, उसे गोली मार दी। युवक को मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद से आरोपी फरार हैं। घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे सराय छेला थाना क्षेत्र के रिठौरा गांव की है। मृतक महादेवा गुर्जर जब रास्ते से गुजर रहा था, तभी गांव के ही एदलत गुर्जर, शिवराम गुर्जर और वकील गुर्जर सहित करीब एक दर्जन से ज्यादा हथियारबंद लोगों ने उसे घेर लिया।

चश्मदीनों के मुनाबिक, आरोपियों ने महादेवा को ललकारते हुए कहा, 'आर हिम्मत है तो यहां से निकल कर दिखो।' जैसे ही महादेवा ने अपना रास्ता आगे बढ़ाया, आरोपियों ने उस पर फायरिंग कर दी। गोली सीधे उसके सीने में लगी और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

## झाबुआ में 1.67 लाख की अवैध शराब जब्त



आबकारी विभाग की दबिश में 20 पेटियां बरामद, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, झाबुआ (निप्र)। आबकारी विभाग ने रानापुर में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने वार्ड नंबर 12 (जवाहर मार्ग) स्थित दीपेश राठौड़ के मकान से 1,67,080 रुपये मूल्य की विदेशी शराब जब्त की। इस

कार्रवाई में कुल 20 पेटियां (178.68 बल्क लीटर) शराब बरामद की गईं। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देश पर और जिला आबकारी अधिकारी वसंती भूरिया के मार्गदर्शन में टीम ने दीपेश राठौड़ के घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान गोवा व्हिस्की, रॉयल स्टेंग और बिस्किट सहित विभिन्न ब्रांडों की शराब मिली। विभाग ने आरोपी दीपेश राठौड़ को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) और 34(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

## रायसेन में सुबह 6 बजे हुई बारिश, लौटी टंड

अगले दो दिन ऐसा ही मौसम, गेहूं की फसल को फायदा



मीडिया ऑडिटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में बुधवार दोपहर से मौसम में अचानक बदलाव आया। तेज हवाओं के साथ आसमान में बादल छा गए और गुरुवार सुबह 6 बजे बारिश हुई। बारिश के साथ ही ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे एक बार फिर सर्दी लौट आई। सर्दी बढ़ने के कारण लोग गर्म कपड़ों में ही घरों से बाहर निकले। छोटे बच्चे भी गर्म कपड़े पहनकर स्कूल पहुंचे। बारिश से शहर की सड़कें गीली हो गईं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। आसमान में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम में इस बदलाव से दिन का अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और बीती रात का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रायसेन में इस सीजन में यह दूसरी बार बारिश हुई है। किसानों का कहना है कि यह बारिश गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद साबित होगी। हालांकि, जिन खेतों में चने की फसल पककर तैयार हो गई है, उन्हें इस बारिश से नुकसान हो सकता है।

## सीहोर में घायल नीलगाय का सफल रेस्क्यू

वन विभाग ने ग्रामीणों की मदद से किया इलाज, जंगल में छोड़ा



मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के ग्राम थूना में एक घायल नीलगाय का वन विभाग और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सफल रेस्क्यू किया गया। नीलगाय को प्राथमिक उपचार के बाद सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। वन विभाग को सूचना मिली थी कि थूना गांव में एक नीलगाय घायल अवस्था में है। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला सक्रिय हो गया। नीलगाय को पकड़ने का अभियान पूरी रात जारी रहा। वन विभाग के डिप्टी रेंजर सहित टीम ने काफी मशकत के बाद नीलगाय को सुरक्षित रेस्क्यू किया। घायल नीलगाय की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए थे। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम को नीलगाय को काबू करने में काफी कठिनाई हुई, क्योंकि राठौर-उधर भाग रही थी। कड़ी मशकत के बाद उसे पकड़ा जा सका।

प्राथमिक उपचार के बाद जंगल में छोड़ा : रेस्क्यू के बाद नीलगाय का प्राथमिक उपचार किया गया। कुछ हद तक स्वस्थ होने पर उसे जंगल में छोड़ दिया गया। हालांकि, यह अभी ज्ञात नहीं हो सका है कि नीलगाय आवासीय क्षेत्र में कैसे आ गई थी और उसके घायल होने का कारण क्या था।

## सिवनी में राख से भरा ट्रक पलटा : झाड़वर सुरक्षित, कहानी गांव से जबलपुर की तरफ जा रहा था

मीडिया ऑडिटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के लखनादौन में गुरुवार सुबह 11 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। यह हादसा स्टेट बैंक के पास हुआ। राहत की बात यह रही कि ट्रक झाड़वर सुरक्षित है और कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई। जानकारी के मुताबिक, ट्रक कहानी गांव से जबलपुर की तरफ जा रहा था। जैसे ही ट्रक लखनादौन के स्टेट बैंक के पास पहुंचा, झाड़वर का बेलेंस बिगड़ गया और ट्रक पलट गया। जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। यह जगह काफी भीड़भाड़ वाली है, गनीमत रही कि जिस वक्त ट्रक पलटा, वहां कोई राहगीर या दूसरा वाहन मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। ट्रक में कोयला पावर प्लंट की राख भरी थी। पुलिस की कार्रवाई और जांच हादसे का खतरा मिलते ही लखनादौन पुलिस मौके पर पहुंची और जाम खुलवाकर यातायात को सामान्य कराया। थाना प्रभारी के.पी. धुवे ने बताया कि पुलिस ने ट्रक झाड़वर से पूछताछ शुरू कर दी है।

## छतरपुर में बादल छाए, पारा लुढ़का

घना कोहरा छाया, मौसम विभाग ने हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई



मीडिया ऑडिटर, (निप्र)। छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में गुरुवार सुबह न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, यह तापमान बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात का था, जिसे सुबह 8:30 बजे रिकॉर्ड किया गया।

बुधवार को न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस था, जो गुरुवार को 0.6 डिग्री सेल्सियस

घटकर 9.2 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं और घना कोहरा है। सुबह 9 बजे तक सूरज नहीं निकला और हल्की बूंदाबांदी की संभावना भी जताई गई है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, बीते बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस रहा था। गुरुवार सुबह का तापमान 18 डिग्री

सेल्सियस बताया जा रहा है। बादलों के कारण आज दिन का अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

आने वाले 2 से 3 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम : आज मौसम में आदता 82 प्रतिशत और विजिबिलिटी 500 से 1500 मीटर के बीच दर्ज की गई है। मौसम में इस बदलाव का मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) को माना जा रहा है। यह विक्षोभ दिल्ली-ग्वालियर बेल्ट से बुदेलखंड बेल्ट तक बादल लेकर आया है, जिनके देर शाम या रात तक छंटने की उम्मीद है।

फिलहाल अगले दो दिनों तक मौसम में इसी तरह का उतार-चढ़ाव और बदलाव देखने को मिलेगा। इसके बाद मौसम सामान्य हो जाएगा, न्यूनतम तापमान में बड़ोतरी होगी और उंड में कमी आएगी।

## पुराने बस स्टैंड पर स्टॉपेज शुरू: 5 मिनट रुकने की अनुमति दी, चुनिंदा बसों ही रुकेगी

मीडिया ऑडिटर, इटारसी (निप्र)। यात्रियों की सुविधा के लिए गुरुवार सुबह से पुराने बस स्टैंड पर बसों का पिक एंड ड्रॉप स्टॉपेज शुरू कर दिया गया है। प्रशासन ने फिलहाल चुनिंदा बसों को यहां 5 मिनट तक रुकने की अनुमति दी है।

एसडीएम नीलेश कुमार शर्मा ने बताया कि बस संचालकों की ओर से शपथ पत्र जमा किए गए थे। करीब 12-13 बस मालिकों ने लिखित आवेदन दिया, जिसके आधार पर उन्हें पुराने बस स्टैंड पर सीमित समय के लिए स्टॉपेज की अनुमति प्रदान की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में और बसों को भी अनुमति देने पर विचार किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 1 फरवरी से पुराने बस स्टैंड को बंद कर बसों का संचालन नए बस स्टैंड पर स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके बाद से नागरिकों, व्यापारियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार यह मांग की जा रही थी कि शहर की सुविधा को देखते हुए पुराने बस स्टैंड पर भी कुछ समय का स्टॉपेज दिया जाए। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवाकांत पांडेय ने प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे व्यापारियों, स्कूली छात्रों और आम यात्रियों को बड़ी



कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार यह मांग की जा रही थी कि शहर की सुविधा को देखते हुए पुराने बस स्टैंड पर भी कुछ समय का स्टॉपेज दिया जाए। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवाकांत पांडेय ने प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे व्यापारियों, स्कूली छात्रों और आम यात्रियों को बड़ी

राहत मिलेगी। वहीं, कांग्रेस के एक अन्य धड़े, कांग्रेस सेवादल शूष ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी ने इस मांग को लेकर धूख हड़ताल का कार्यक्रम रखा गया है। प्रशासन के अनुसार, आज से कुछ बसों ने पुराने बस स्टैंड पर रुकना शुरू कर दिया है, जिससे यात्रियों को तत्काल राहत मिलनी प्रारंभ हो गई है।

## सागर में पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या

खेत में पड़ा मिला शव, पहचान छिपाने की नीयत से बिगाड़ा चेहरा

मीडिया ऑडिटर, सागर (निप्र)। सागर के कैंट थाना क्षेत्र में गढ़पहरा रोड पर पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या कर दी गई। शव खेत में पड़ा देख गुरुवार को आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान शव के आसपास खून से सने पत्थर पड़े मिले। मृतक के सिर और चेहरे पर चोटों के निशान हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। जानकारी के अनुसार, गढ़पहरा रोड पर सदर के पास स्थित एक खेत में गुरुवार की हत्या पत्थर से सिर कुचलकर की गई है। वारदातस्थल पर एफएएल टीम को बुलाया गया। टीम ने हत्या से जुड़े साक्ष्य



जुटाए हैं। विशेष में परिजन ने किया चक्काजाम: वारदात सामने आते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। उन्होंने हत्या की वारदात को लेकर विरोध जताया। सागर-खुरई रोड पर

जुटाए हैं। विशेष में परिजन ने किया चक्काजाम: वारदात सामने आते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। उन्होंने हत्या की वारदात को लेकर विरोध जताया। सागर-खुरई रोड पर

## चित्रोनी-पोरसा में अवैध रेत परिवहन में दो ट्रैक्टर जब्त : पुलिस चेकिंग में नहीं दिखा पाए दस्तावेज, दो चालक गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, मुरैना (निप्र)। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों से रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की हैं। कार्रवाई चित्रोनी थाना और पोरसा थाना पुलिस द्वारा की गई। दोनों मामलों में ट्रैक्टर चालकों को गिरफ्तार किया गया है। आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग को सूचना दे दी गई है, जहां से ट्रैक्टरों को राजसात करने की प्रक्रिया की जाएगी।

पोरसा पुलिस ने की कार्रवाई: पोरसा थाना पुलिस को टीम ने भिंड रोड बायपास पर चेकिंग व्हाईट लगाया हुआ था। इसी दौरान सामने से बिना नंबर का महिंद्रा ट्रैक्टर-ट्रॉली रेत से भरी हुई आती दिखाई दी। पुलिस ने वाहन को रोककर चालक से रेत परिवहन के दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। पोरसा पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अग्रिम राजसात कार्रवाई के लिए वन विभाग को सूचित कर दिया है।

चित्रोनी थाना पुलिस ने की कार्रवाई : वहीं चित्रोनी थाना पुलिस को चंबल नदी के होरावरा घाट पर अवैध रेत उत्खनन की शिकायत मिली थी। पुलिस गश्त के दौरान एक सोनालिका ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत भरकर ले जाते हुए देखा गया। पुलिस ने चालक को रकने का इशारा किया, लेकिन उसने ट्रैक्टर भगा दिया।



## प्रतिमा योजना के तहत एमपीटास्क पोर्टल 20 से खुलेगा

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। प्रतिमा योजनांतर्गत अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने हेतु एमपी टास्क पोर्टल 20 फरवरी से 20 मार्च 2026 तक खोला जा रहा है। कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार जिले स्तर पर सत्यापन एवं स्वीकृति आदेश जारी किए जाने की प्रक्रिया भी इसी अवधि में संचालित की जाएगी। पात्र विद्यार्थी निर्धारित समयावधि में पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जिला संयोजक, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास ने सभी पात्र विद्यार्थियों से समय पर आवेदन करने की अपील की है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थी योजना से लाभान्वित हो।

# समयावधि में त्रुटि रहित करें जनगणना संबंधी कार्य: कलेक्टर

## नगरीय क्षेत्र के चार्ज अधिकारियों का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय सतना के सभाकक्ष में जनगणना 2027 की जानकारी से अवगत कराने नगरीय क्षेत्र के चार्ज जनगणना अधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर ने चार्ज अधिकारियों से कहा कि जनगणना 2027 का कार्य पूरी गंभीरता और सावधानी के साथ निर्धारित समयावधि में त्रुटिरहित तरीके से करें। इस मौके पर जिला जनगणना अधिकारी और अपर कलेक्टर विकास सिंह, नगर जनगणना अधिकारी और उपायुक्त नगर निगम सत्यम



मिश्रा सहित चार्ज अधिकारी नगर परिषद एवं मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को भारत की जनगणना 2027 के मुख्य बिन्दुओं एवं प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। जनगणना



माध्यम से कोई भी नागरिक अपने परिवार की जानकारी अपडेट कर सकेंगे। जिसे बाद में प्रणाली द्वारा सत्यापित कर सबमिट किया जायेगा। कलेक्टर ने स्वगणना पोर्टल के माध्यम से जानकारी अपडेट करने की प्रक्रिया और सुविधा

## 5 मार्च को होगी जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत एमपी वन मित्र पोर्टल पर लंबित दावों के निराकरण के लिए जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक 5 मार्च को आयोजित की जाएगी। यह बैठक सायं 4 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में संपन्न होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में वनाधिकार से संबंधित कई प्रकरण एमपी वन मित्र पोर्टल पर लंबित हैं, जिनके त्वरित निराकरण के उद्देश्य से इस बैठक का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में दावों की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर वनाधिकार का लाभ मिल सके। जिला संयोजक, जनजातीय कार्य विभाग ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं समिति के

## बस लूटी, दबंगों ने चालक से मारपीट कर बस छीनी, घेराबंदी करने पर बस छोड़कर भागे



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। बुधवार को एक बस लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। दबंगों ने बस चालक के साथ मारपीट कर बस लूट ली और फरार हो गए। सतना पुलिस ने देर रात घेराबंदी कर बस को बरामद कर लिया, हालांकि आरोपी बस छोड़कर भाग निकले। जानकारी के अनुसार, यह बस कुछ दिन पहले ही न्यायालय के आदेश पर बस मालिक संतोष तिवारी को सुपुर्द की गई थी। आरोप है कि संतोष तिवारी की 9 बसों का संचालन रीवा निवासी दर्शन सिंह परिहार द्वारा कथित रूप से गैरकानूनी तरीके से किया जा रहा था। इसी मामले में कोर्ट ने अब तक तीन बसें संतोष तिवारी को वापस दिलाई हैं। बताया गया है कि संतोष तिवारी बस की मरम्मत कराकर उसे केसरवानी के यहां से ले जा रहे थे। मरम्मत के बाद जब चालक एक दुकान पर बस में हवा डलवा रहा था, तभी

## 1 कमरे में चल रहा सरकारी स्कूल, मकान के दूसरे कमरे में रह रहा परिवार; कलेक्टर बोले- जल्द बनवाएंगे नई बिल्डिंग

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के उजवा टोला में एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय पिछले 15 वर्षों से एक ग्रामीण के निजी घर के एक कमरे में संचालित हो रहा है। यह स्कूल 2010 से रामसज्जन मल्लाह के दो कमरों वाले घर में चल रहा है, जिसमें से एक कमरे में उनका परिवार रहता है और दूसरा बच्चों की पढ़ाई के लिए दान किया गया है। कलेक्टर ने इस मामले का सज्ञान लिया है और जल्द ही स्कूल भवन निर्माण का आश्वासन दिया है। दो कमरों के घर में से एक में चल रहा स्कूल: रामसज्जन मल्लाह के घर में केवल दो छोटे कमरे हैं। एक



कमरे में उनकी पत्नी और तीन बेटों सहित उनका पूरा परिवार रहता है। दूसरा कमरा उन्होंने बिना किसी किए के स्कूल के संचालन के लिए उपलब्ध कराया है। स्कूल की छुट्टी के बाद रामसज्जन मल्लाह इस

प्रभारी प्रधानाध्यापक अनिता सिंह शामिल हैं। ग्रामीण ने अपने घर का कमरा किराए पर दिया: रामसज्जन मल्लाह ने बताया कि जब वे छोटे थे, तो उन्हें पढ़ाई के लिए 3 किलोमीटर दूर तिघरा प्राथमिक शाला पैदल जाना पड़ता था। बारिश और गर्मी में उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया कि उनके गांव के बच्चों को ऐसी परेशानी न हो। 2010 में जब स्कूल शुरू करने की बात आई और भवन उपलब्ध नहीं था, तो रामसज्जन ने अपने घर का एक कमरा स्कूल के लिए दे दिया।

## सूचना का अधिकार अधिनियम पर दो दिवसीय प्रशिक्षण 24 फरवरी से

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। जिला मुख्यालय स्थित ई-दक्ष केन्द्र सतना में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 विषय पर दो-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण आर.सी.व्ही.पी.नरोत्ता अकादमी भोपाल द्वारा संचालित तथा भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है। इनमें प्रशिक्षण के दो बैच निर्धारित किए गए हैं। जिसमें प्रथम बैच 24 फरवरी से 25 फरवरी तक एवं द्वितीय बैच 26 फरवरी से 27 फरवरी तक प्रारंभित जाते: 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक रहेगा। कलेक्टर एवं अध्यक्ष, जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने संबंधित कार्यालयों एवं विभागों के प्रमुखों को निर्देशित

किया गया है कि अपने अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित कराएं। विशेष रूप से वे अधिकारी/कर्मचारी जो सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आरटीआई पोर्टल पर पंजीकृत हैं तथा पोर्टल पर कार्य करते हैं, उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि यदि सूचीबद्ध किसी अधिकारी/कर्मचारी का स्थानांतरण या सेवानिवृत्ति हो चुकी हो, तो उनके स्थान पर वर्तमान में आरटीआई पोर्टल का कार्य देख रहे संबंधित कर्मचारी को प्रशिक्षण में भेजा जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की प्रक्रियाओं, प्रावधानों है।

## किराना दुकान में चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 24 घंटे में सीसीटीवी से पहचान कर पुलिस ने पकड़ा



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अमौंधा में एक किराना दुकान से नकदी चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। चोरी की यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी, जिसकी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस को आरोपी तक पहुंचने में आसानी हुई। यह घटना 16 फरवरी की रात करीब 8 बजे की है। दुकान मालिक संदीप पांडेय उस समय ग्राहकों से बात कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति ने मौका देखकर बड़ी चालाकी से कार्टर पर रखे

8 हजार रुपये निकाल लिए और वहां से निकल गया। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि आरोपी ने कैसे भीड़ का फायदा उठाकर चोरी की। थाना प्रभारी योगेश सिंह परिहार ने बताया कि पीड़ित किराना व्यापारी संदीप पांडेय, निवासी मदन, थाना कोठी, ने मंगलवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य जानकारी के आधार पर आरोपी की पहचान की। 24 घंटे के अंदर नंदकिशोर कुशावाहा (32 वर्ष), निवासी अमौंधा कला, को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए कुछ पैसे भी बरामद किए हैं। सिविल लाइन थाना पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्य और त्वरित कार्रवाई के चलते आरोपी को जल्द पकड़ा लिया गया।

## आदिवासी भूमि फर्जीवाड़े में पटवारी समेत 8 पर एफआईआर 2.50 करोड़ की कृषि भूमि बेचने का मामला



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। ईओडब्ल्यू रीवा ने मैहर में आदिवासियों की 2.50 करोड़ रुपए मूल्य की 3.500 हेक्टेयर कृषि भूमि अल्ट्राटेक सीमेंट को फर्जी तरीके से बेचने के मामले में तत्कालीन पटवारी अशोक सिंह और 7 बिचौलियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। यह भूमि आदिवासी रामसिंह गोड़ और उनके बेटे राजेंद्र सिंह की थी, जिसे फर्जी वारिसाना और ऋण पुस्तिका तैयार कर बेचा गया। ईओडब्ल्यू ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ईओडब्ल्यू के एमपी डॉ. अरविंद सिंह ठाकुर ने बताया कि शिकायत के सत्यापन के बाद यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस प्रकरण में संबंधित राजस्व अधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया है।

अनुसार, मैहर तहसील के भदनपुर (दक्षिण पट्टी) स्थित आदिवासी रामसिंह गोड़ के कब्जे वाली लगभग 3.500 हेक्टेयर कृषि भूमि वर्ष 2010-11 तक राजस्व अभिलेखों में उनके नाम पर दर्ज थी। आरोप है कि तत्कालीन पटवारी अशोक सिंह ने बिचौलियों के साथ मिलकर वर्ष 2012-13 के राजस्व खसरे में रामसिंह गोड़ के जीवित रहते हुए भी उनके पुत्र राजेंद्र सिंह का नाम बिना किसी सक्षम राजस्व अधिकारी के आदेश के वारिसाना के रूप में दर्ज करा दिया। इसके बाद, फर्जी ऋण पुस्तिका तैयार की गई। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने आदिवासियों को लोन दिलाने का झांसा देकर उनकी कृषि भूमि की रजिस्ट्री अल्ट्राटेक सीमेंट के नाम करवा दी।

## बजट में सतना-मैहर के लिए 445.3 करोड़ का प्रस्ताव, धार्मिक पर्यटन पर खर्च होंगे; 177.45 किमी टू-लेन रोड कनेक्टिविटी बढ़ेगी

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सतना और मैहर जिलों में धार्मिक पर्यटन और इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। चालू वित्तीय वर्ष के बजट में लोक निर्माण विभाग के 445.3 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को शामिल किया गया है। इसके तहत 177.45 किलोमीटर लंबा टू-लेन रोड नेटवर्क विकसित किया जाएगा। इस योजना में मड़गावां वन क्षेत्र के पवित्र स्थलों जैसे धारकुंडी, सुतीक्षण एवं सरभंगा आश्रम, सिद्धा पर्वत और अश्वमुखी मंदिर को टू-लेन रोड नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इन स्थलों को फोर-लेन सतना रोड के माध्यम



से धर्मनगरी चित्रकूट से भी जोड़ा जाएगा। ये धार्मिक, आध्यात्मिक, पौराणिक और पुरातात्विक महत्व के स्थल इको-टूरिज्म की अपार

सड़क 3.75 मीटर चौड़ी है और इसके लिए 125 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इसी तरह, 17.40 किलोमीटर लंबे सतना-समेरिया धारकुंडी मार्ग को टू-लेन बनाने पर 34.80 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अश्वमुखी से सिद्धा पहाड़ तक 1 किलोमीटर की सड़क को 1.50 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। धार्मिक और प्राकृतिक महत्व परसमनिया पठार में भी पर्यटकों के लिए सुरक्षित और सुगम यातायात की सुविधा बढ़ाने में योजना है। विंध्य पर्वत श्रृंखला में स्थित इस पठार में इको-टूरिज्म की व्यापक संभावनाएं हैं, जहां गुप्तकालीन शैव और वैष्णव

## लड़की ने बातचीत बंद की तो युवक ने लगाई फांसी, 15 सेकंड में तड़पता रहा

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। मैहर में कोतवाली क्षेत्र के हरदासपुर में पूर्व सरपंच के बेटे का शव उसकी हार्डवेयर दुकान में फांसी के फंदे पर लटकता मिला। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। बुधवार शाम को परिजनों ने दुकान में जाकर देखा तो शव लटका हुआ मिला। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया था गुरुवार को फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में शव को फंदे से उतारा गया। मृतक की पहचान देवेश सिंह (26 वर्ष) पुत्र सुखेन्द्र सिंह के रूप में हुई है। देवेश सरलानगर मार्ग पर अपनी हार्डवेयर की दुकान चलाते थे। बुधवार को वह हमेशा की तरह दुकान पर गए थे। बुधवार शाम को जब परिजनों ने फोन पर उनसे संपर्क करने की कोशिश की तो बात नहीं हो पाई। रात करीब 8:30 बजे परिवार का एक सदस्य दुकान पर पहुंचा, जहां देवेश का शव सीलिंग फैन के हुक से फंदे पर लटका मिला। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सीसीटीवी में फंदे पर लटकते देखा देवेश सचन मिलते ही थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। इसी बीच, मृतक के परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर पुरानी रंजिश के चलते देवेश को हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया था। इन आरोपों के मद्देनजर, पुलिस ने रात में शव को नीचे उतारने के बजाय घटनास्थल को सील कर दिया था। गुरुवार सुबह फॉरेंसिक टीम के आने के बाद शव को फंदे से उतारा।